राजनीती - 12

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. शीतयुद्ध शुरू होने का मूल कारण क्या था?

उत्तर— परस्पर विरोधी खेमों की समझ में यह बात थी कि प्रत्यक्ष युद्ध खतरों से परिपूर्ण है, क्योंकि दोनों पक्षों को भारी नुकसान की प्रबल सम्भावनाएँ थीं। इसमें वास्तविक विजेता का निर्धारण सरल कार्य न था। यदि एक गुट अपने शत्रु पर हमला करके उसके परमाणु हथियारों को नाकाम करने का प्रयास करता है, तब भी दूसरे गुट के पास उसे बर्बाद करने लायक अस्त्र बच जायेंगे। यही कारण था कि तीसरा विश्वयुद्ध न होकर शीतयुद्ध के रूप में युद्ध की स्थिति बनी रही।

2. मध्य एशियाई गणराज्यों में संघर्ष एवं तनाव के कोई दो कारण बताइए।

उत्तर—(i) मध्य एशियाई गणराज्यों में संघर्ष व तनाव का एक प्रमुख कारण यह था कि इन देशों में हाइड्रोकार्बनिक (पेट्रोलियम) संसाधनों का विशाल भण्डार होने के बावजूद इन देशों को इसका लाभ प्राप्त नहीं हुआ।

(ii) इस क्षेत्र में धीरे-धीरे संयुक्त राज्य अमेरिका का हस्तक्षेप बढ़ गया। जिसने अपनी प्रभुत्वकारी प्रवृत्ति को बढ़ाने का प्रयास करने के लिए देशों के मध्य तनाव हेतु आधार प्रदान करने का कार्य किया है।

3. मानवाधिकारों को कितनी कोटियों में रखा गया है ? संक्षिप्त में उल्लेख कीजिए।

उत्तर— मानवाधिकार को तीन कोटियों में रखा गया है, जो निम्नलिखित हैं—

(i) प्रथम कोटि राजनीतिक अधिकारों की है, जैसे-अभिव्यक्ति एवं सभा करने की स्वतन्त्रता।

(ii) द्वितीय कोटि आर्थिक और सामाजिक अधिकारों को है।

(iii) तृतीय कोटि में उपनिवेशीकृत जनता अथवा जातीय और मूलवासी अल्पसंख्यकों के अधिकार सम्मिलित

4. भारत में बहुदलीय प्रणाली के संदर्भ में तर्क दीजिए।

उत्तर-- **दलीय प्रणाली-** सफल लोकतंत्र हेतु दलीय प्रणाली आवश्यक है। इसके समर्थन में निम्नलिखित तर्क दिए जाते हैं--

(i) द्वि-दलीय व्यवस्था से साधारण बहुमत के दोष समाप्त हो जाते हैं एवं जिस भी प्रत्याशी की जीत होती है उसे आधे से अधिक अर्थात् 50% से अधिक मत प्राप्त होते हैं।

(ii) सरकार अधिक स्थायी रहती है और वह गठबंधन की सरकारों की तरह दूसरी पार्टियों की वैसाखियों पर नहीं टिकी होती। वह उनके निर्देशों को सरकार गिराने के भय से मानने हेतु बाध्य नहीं होती।

(iii) देश में सभी को यह ज्ञात होता है कि यदि सत्ता एक दल से दसरे दल के हार्थो में चली जाएगी तो कौन-कौन प्रमुख पर्दो प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री, गृहमंत्री, वित्तमंत्री एवं विदेश मंत्री आदि पर आएंगे।

5. भारत में पहले तीन चुनावों में कांग्रेस के प्रभुत्व के दो कारण बताइए ।

उत्तर--- आजादी के बाद 20 वर्षों तक भारतीय राजनीति में कांग्रेस के प्रभुत्त्व के दो निम्नलिखित कारण रहे हैं--

(i) स्वतंत्रता संग्राम में कांग्रेसी नेताओं का जनता में अधिक लोकप्रिय होना। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में कॉँग्रेस के अधिकांश नेताओं ने भाग लिया था जिसके कारण वे लोगों के मध्य लोकप्रिय थे।

(ii) कॉँगेस हो एकमात्र ऐसा दल था जिसके पास ग्रामीण स्तर तक फैला हुआ संगठन था।

6. योजना आयोग के प्रस्ताव में किन नीतियों को व्यवहार में लाने की बात कही गयी?

उत्तर— योजना आयोग के प्रस्ताव में निम्नलिखित नोतियों को अवहार में लाने की बात कही गयी--

(i) स्टगे और पुरुष सभी नागरिकों को आजीविका के पयांप्त साधनों का समान अधिकार हो।

(ii) समुदाय के भौतिक संसाधनों और उनके नियंत्रण को इस तरह बाँटा जाएगा कि उससे जनसाधारण को भलाई हो।

(iii) अर्थव्यवस्था का संचालन इस तरह नहीं किया जाएगा कि धन अथवा उत्पादन के साधन एक-दो स्थानों पर ही केन्द्रित हो जाएँ तथा जनसामान्य की भलाई बाधित हो।

7. शीतयुद्ध की किन्हीं दो प्रमुख सैन्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर— शीतयुद्ध की दो सैन्य विशेषताएं (लक्षण) निम्नलिखित हैं—

(1) नाटो, मिएटो, सेंटो तथा वारसा पैक्ट इत्यादि सैन्य गठबन्यनों का निमाण करना तथा इनमें अधिकाधिक देशों को सम्मिलित करना।

(2) शस्त्रीकरण करना तथा अत्याधुनिक परमाणु मिमाइलें निर्मित करके उन्हें युद्ध के महत्त्व के बिन्दुओं पर स्थापित करना।

8. सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था में गतिरोध क्यों आया ? कोई दो कारण दीजिए।

उत्तर— सोवियत संघ को अर्थव्यवस्था में निम्न कारणों से गतिरोध आया

(i) सोवियत संघ ने अपने संसाधनों का अधिकांश भाग परमाणु हथियारों के विकास एवं सैनिक माजो-सामान पर मन किया जिसमे सोवियत संग में आर्थिक संसाधनों की कमी हो गयी।

(i) मोविगत मंघ को पूर्वी यूगेप के अपने पिरान देशों के विकास पर अपने संसाधन सनं करने पड़े: जिसमे यह धोरे-गोरे आर्थिक तौर पर कमजोर होता चला गया।

9. जातीय संघर्ष होने के बावजूद श्रीलंका ने कौन-कौन सी सफलताएँ प्राप्त की हैं ?

उत्तर— जातीय संघर्ष होने के बावजूद श्रीलंका ने निम्नलिखित सफलताएँ प्राप्त की हैं—

(i) अच्छी आर्थिक वृद्धि एवं विकास के उच्च स्तर को हासिल किया है।

(ii) जनसंख्या की वृद्धि दर पर सफलतापूर्वक नियन्त्रण स्थापित किया है।

(iii) दक्षिण एशियाई देशों में सबसे पहले श्रीलंका ने ही आर्थिक उदारीकरण किया है।

(iv) अन्दरूनी संघर्षों के बावजूद श्रीलंका में लोकतान्त्रिक राज व्यवस्था कायम रही है।

10. मानवता, शान्ति एवं अहिंसा के मित्र क्या दो माँग कर रहे हैं ?

उत्तर— मानवता, शान्ति एवं अहिंसा के मित्र निम्न दो मांगें कर रहे हैं—

(i) वह धन की माँग करते हैं जिससे शान्ति, मानव कल्याण तथा मानवाधिकारों को समर्थक संस्थाओं का सहयोग किया जा सके।

(ii) वे लोग शान्ति तथा अहिंसा के पक्ष में कानून पारित किये जाने की मांग करते हैं, जिससे देश में आन्तरिक रूप से.खतरा पैदा करने वाली अथवा बाहरी खतरनाक शक्तियों से मुकाबला किया जा सके।

11. आलोचक ऐसा क्यों सोचते थे कि भारत में चुनाव सफलतापूर्वक नहीं कराए जा सकेंगे ? किन्हीं दो कारणों का **उल्लेख कीजिए।**

उत्तर— भारत में चुनाव सफलतापूर्वक सम्पन्न नहीं कराए जा सकने सम्बन्धी दो कारण निम्नलिखित हैं—

(i) भारत क्षेत्रफल तथा जनसंख्या को दृष्टि से बहुत बड़ा देश है व शुरू से ही सभी 21 वर्ष के वयस्कों (जिनमें स्त्री-पुरुष सम्मिलित थे) को सार्वभौम ययस्क मताधिकार दे दिया गया। इतने बड़े निर्वाचक मंडलों के लिए व्यवस्था करना बहुत कठिन था।

(ii) भारत के अधिकांश मतदाता अशिक्षित थे जिनसे स्वतंत्र व समझदारी से मताधिकार का प्रयोग किस प्रकार हो सकेगा इस पर लोगों को विश्वास नहीं था, परन्तु यह मात्र एक भ्रम सिद्ध हुआ।

12. हरित क्रान्ति के दो नकारात्मक परिणामों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—(i) हरित क्रान्ति के कारण गरीय किसानों व भू-स्वामियों के योच का अन्तर मुखर हो ठठा। इससे देश के विभिन्न भागों में वामपंथी मंगठनों के लिए गरोम कृपकों को लामबंद करने की दृष्टि से अनुकूल स्थिति उत्पन्न हुई।

(ii) हरित क्रानि से समाज के विभिन्न याँ तथा देश के अलग-अलग मोत्रों के राजनीति बीच ध्रुयीकरण तेज हुआ। पंजाय, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे क्षेत्र कृषि की दृष्टि से काफी समृद्ध हो गये जबकि देश के अन्य क्षेत्र कृषि सम्बन्धी मामलों में पिछड़े रहे।

13. भारतीय राजनीति के संदर्भ में खतरनाक दशक का क्या अर्थ है?

उत्तर— सन् 1960 के दशक को खतरनाक दशक कहा जाता है क्योंकि निर्धनता, असमानता, बेरोजगारी, साम्प्रदायिकता एवं क्षेत्रीय विभाजन जैसे मुद्दों का उस समय तक कोई भी समाधान नहीं

हो पाया था। इन कठिन पलों के कारण लोगों को देश में लोकतंत्र के असफल होने का भय उत्पन्न हो गया था अथवा देश के बिखरने की संभावना भी व्यक्त की जा रही थी। इस समय परिस्थितियों के अत्यधिक विकराल हो जाने के कारण इसे खतरनाक दशक की संज्ञा दी जाती है।

14. महाशक्तियों के छोटे देशों के साथ सैन्य गठबंधन के दो कारण लिखिए।

उत्तर- महाशक्तियाँ छोटे देशों के साथ निम्न कारणों से सैन्य गठबन्धन रखती थीं--

(i) महत्त्वपूर्ण संसाधन हासिल करना-महाशक्तियों को छोटे देशों से तेल तथा खनिज पदार्थ इत्यादि प्राप्त होता था।

(ii) भू-क्षेत्र-महाशक्तियाँ इन छोटे देशों के यहाँ अपने हथियारों की बिक्री करती थी और इनके यहाँ अपने सैन्य
अड्डे स्थापित करके सेना का संचालन करती थीं।

15. सोवियत संघ के विघटन के दो कारण बताइए।

उत्तर- (i) तत्कालीन, सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव द्वारा चलाये गये राजनीतिक व आर्थिक सुधार
कार्यक्रम।

(ii) सोवियत संघ के गणराज्यों में लोकतांत्रिक एवं उदारवादी भावनाओं का उत्पन्न होना।

16. दक्षेस संगठन के प्राथमिक सात सदस्य देशों के नाम लिखिए।

उत्तर- दक्षेस संगठन के प्राथमिक सात सदस्यों में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल भूटान, मालदीव, श्रीलंका आदि शामिल हैं।

17. रियो सम्मेलन के कोई दो परिणाम लिखिए। उत्तर- रियो सम्मेलन (पृथ्वी सम्मेलन) के दो परिणाम निम्नलिखित हैं--

(i) इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप विश्व राजनीति के दायरे में पर्यावरण को लेकर बढ़ते सरोकारों को एक ठोस रूप मिला।

(ii) रियो सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता और वानिको के सम्बन्ध में कुछ नियमाचार निर्धारित किए
गए।

18. समाजवादी दलों और कम्युनिस्ट पार्टी के बीच दो अंतर बताइए।

उत्तर- (i) समाजवादी दल लोकतांत्रिक विचारधारा में विश्वास करते हैं जबकि कम्युनिस्ट पार्टी सर्वहारा वर्ग के
अधिनायकवाद में विश्वास करती है।

(ii) समाजवादी दल अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये राज्य रूपी संस्था को रखना चाहते हैं जबकि कम्युनिस्ट पार्टी राज्य को समाप्त करने का पक्ष लेते हैं।

19. 'हरित क्रांति' के दो सकारात्मक परिणामों का उल्लेख करें।

उत्तर- (i) भारत में हरित क्रांति से गेहूँ व चावल की पैदावार में अत्यधिक वृद्धि हुयी।

(ii) हरित क्रांति के परिणामस्वरूप भारत खाद्यान्न के दृष्टिकोण से आत्मनिर्भर देश बन गया।

20. गुटनिरपेक्ष आंदोलन के संस्थापक सदस्यों के नाम लिखिए।

उत्तर- गुटनिरपेक्ष आंदोलन के संस्थापक सदस्यों में जोसेफ ब्राँज टीटो (युगोस्लाविया) जवाहरलाल नेहरू (भारत)

गमाल अब्दुल नासिर (मिस्र) सुकर्णो (इंडोनेशिया) तथा वामे एनक्रूमा (घाना) शामिल थे।

21. सोवियत अर्थव्यवस्था को किसी पूँजीवादी देश जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था से अलग करने वाली किन्हीं दो विशेषताओं का जिक्र करें।

उत्तर- सोवियत अर्थव्यवस्था को पूँजीवादी देश; जैसे-संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था से अलग करने वाली दो विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं—

(i) सोवियत अर्थव्यवस्था पूँजीवादी देशों की अर्थव्यवस्था से भिन्न है, क्योंकि इसमें उद्योगों को अधिक महत्त्व नहीं दिया गया, जबकि पूँजीवादी देशों में विशेषकर संयुक्त राज्य अमेरिका में उद्योग-धन्धों को विशेष महत्त्व दिया गया।

(ii) सोवियत अर्थव्यवस्था में उत्पादन तथा वितरण के साधनों पर राज्य या सरकार का नियन्त्रण था, जबकि पूँजीवादी देशों में निजीकरण को अपनाया गया।

22. ऐसे दो मसलों का नाम बताएँ जिन पर भारत-बांग्लादेश के बीच आपसी सहयोग है?

उत्तर- भारत और बांग्लादेश के बीच आपसी सहयोग के निम्न दो मसले हैं--

(1) विगत दस वर्षों के दौरान दोनों के बीच आर्थिक सम्बन्ध ज्यादा बेहतर हुए हैं। बांग्लादेश भारत की 'पूरब चलो' की नीति का हिस्सा है। इस नीति के अन्तर्गत म्यांमार के जरिए दक्षिण-पूर्व एशिया से सम्पर्क साधने की बात है।

(2) आपदा प्रबन्धन और पर्यावरण के मसले पर दोनों देशों में सहयोग है।

23. आतंकवाद सुरक्षा के लिए परम्परागत खतरे की श्रेणी में आता है या अपरम्परागत । उल्लेख करें?

उत्तर- आतंकवाद 21वीं शताब्दी में विश्व स्तर पर सुरक्षा की नई चुनौती है। यह अपरम्परागत सुरक्षा के खतरों की श्रेणी में आता है। वैसे तो आतंकवाद का अस्तित्व काफी पुराना है, लेकिन विश्व के राष्ट्रों व जनता की सुरक्षा की चुनौती के रूप में इसने सबका ध्यान तब आकर्षित किया जब 11

सितम्बर, 2001 को संयुक्त राज्य अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेण्टर पर आतंकवादियों ने हमला किया। आतंकवादी घटनाएँ तब से विभिन्न देशों में घटित होती रही हैं आतंकवाद का उद्देश्य जनमानस को आतंकित करना अथवा उसमें भय व्याप्त करना है।

24. क्या एकल पार्टी प्रभुत्व की प्रणाली का भारतीय राजनीति के लोकतांत्रिक चरित्र पर खराब असर हुआ है?

उत्तर- यह सत्य है कि एकल पार्टी प्रभुत्व प्रणाली का राजनीतिक लोकतांत्रिक प्रवृत्ति पर विपरीत प्रभाव पड़ता है तथा प्रभुत्व प्राप्त दल विपक्षी पार्टियों की आलोचना की परवाह न करके मनमाने ढंग से शासन चलाने लगता है व लोकतंत्र को तानाशाही शासन में बदलने की संभावना विकसित होती है, परन्तु हमारे देश में ऐसा नहीं हुआ। पहले तीन आम चुनावों में कांग्रेस के प्रभुत्व का भारतीय राजनीति पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ा। इसने भारतीय राजनीति के लोकतांत्रिक चरित्र को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया।

25. बाम्बे प्लान से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- भारत में सन् 1944 में उद्योगपतियों का एक वर्ग एकजुट हुआ। इस समूह ने देश में नियोजित अर्थव्यवस्था चलाने का एक संयुक्त प्रस्ताव तैयार किया। इसे 'बॉम्बे प्लान' कहा जाता है। 'बॉम्बे प्लान' का मत था कि सरकार औद्योगिक और अन्य आर्थिक निवेश के क्षेत्र में बड़े कदम उठाए। इस प्रकार दक्षिणपंथी और वामपंथी सभी नियोजित अर्थव्यवस्था की राह पर चलना चाहते थे।

26. 1970 के दशक में इंदिरा गाँधी सरकार किन कारणों से लोकप्रिय हुई थी? कोई दो करण लिखिए।

उत्तर- (i) सन् 1970 के दशक में कांग्रेस को इंदिरा गाँधी के रूप में एक करिश्माई नेता मिल गया। वह प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुत्री थी तथा उन्होंने स्वयं को गांधी परिवार का वास्तविक राजनीतिक उत्तराधिकारी बताने के साथ-साथ अधिक प्रगतिशील कार्यक्रम यथा बीस सूत्री कार्यक्रमों, गरीबी हटानेके लिए बैंकों के राष्ट्रीयकरण के वादे तथा कल्याणकारी सामाजिक, आर्थिक कार्यक्रम की घोषणा की। वह देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री होने के कारण महिला मतदाताओं में अधिक लोकप्रिय हुईं।

(ii) इंदिरा गांधी द्वारा 20 सूत्री कार्यक्रम प्रस्तुत करना, बैंकों का राष्ट्रीयकरण करना, प्रिवीपर्स को समाप्त करना।

27. शीतयुद्ध से क्या अभिप्राय है? ।

उत्तर—शीतयुद्ध से हमारा अभीमान उस अवस्था से है जब दो से अधिक देशों के मध्य तनावपूर्ण वातावरण से हो, लेकिन इस समय में कोई युद्ध न हो । द्वितय विश्वयुद्ध के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका तथा सोवियत संघ के बिच युद्ध तो नही हुआ लेकिन युद्ध जैसी स्थिति बनी रहो। यह

स्थिति शोतयुद्ध नाम से जानी जाती है। इन दोनों के मध्य लम्बे समय एक तनातनी का माहौल बना रहा तथा ऐसा लगता था मानो युद्ध होगा किन्तु ऐसा हुआ नही ।

28. सन् 1989 में बर्लिन की दीवार के ढहने को द्वि-ध्रुवीयता का अन्त क्यों कहा जाता है ?

उत्तर— द्वि-धुजीपल के दौर में जर्मनो दो भागों में विभाजित हो गया था। जहाँ पूर्वी जर्मनी साम्यवादी सोवियत संघ के प्रभाव में तथा पश्चिमी जर्मनी संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रभाव में था। सन् 1989 में बर्लिन की दीवार के ढहने के पश्चात् हो सम्पूर्ण विश्व में से सोवियत संघ का प्रभाव भी समाप्त हो तथा अब तक दो धुवों में विभाजित विश्व एकधुजीय हो गया। इसी कारण बर्लिन की दिवार का ढहना दो धुवीयता के अन्त के रूप में जाना जाता है।

29. साफ्टा क्या है ? संक्षेप में बताइए।

उत्तर— दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र (South Asia Free Tr Agreement)। दक्षेस के सदस्य देशो ने फरवरी 2004 में साफ्टा समझौते पर हस्ताक्षर किये। यह समझौता 1 जनवरी, 2006 से प्रभावी हो गया है। इस समझौते के तहत दक्षेस देशों के बीच आपसी व्यापार में लगने वाले सीमा शुल्क को कम करने का लक्ष्य था। इस समझौते से दक्षिण एशिया के देशो को व्यापारिक लाभ प्राप्त हुए हैं।

30. कांग्रेस प्रणाली से क्या तात्पर्य है?

उत्तर—प्रारम्भिक सालों में कांग्रेस एक गठबंधननुमा पार्टी थी। इसमें विभिन्न हित, सामाजिक समूह वर्ग एक साथ रहते थे। इसी परिघटना को कांग्रेस प्रणाली कहा गया। यह क्रिया लम्बे समय तक जारी रही, जिसके कारण कांग्रेस का लम्बे समय तक प्रभुत्व भी बना रहा हैं।

31. भारत में दलीय व्यवस्था की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर— भारत में दलीय व्यवस्था को दो प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं--

(i) भारत में बहुदलीय व्यवस्था है तथा राजनैतिक दल विभिन्न हित समूहों का प्रतिनिधित करते हैं।

(ii) भारत में राष्ट्रीय दलों के साथ-साथ क्षेत्रीय दल भी पाये जाते हैं।

32. निर्जन वन से क्या आशय है?

उत्तर— निर्जन धन से आशय इस प्रकार के वनों से है जिसमें मनुष्य एवं जानवर नहीं पाये जाते हैं। उत्तरो गोलाई के कई देशों में निर्जन वन पाये जाते हैं। इस गोलार्द्ध के देशों में वन को निर्बन प्रान्त के रूप में देखा जाता है जहाँ पर कन्तु लोग नहीं रहते हैं। इस प्रकार का दृष्टिकोण मनुष्य को प्रकृति के एक अंग के रूप में स्वीकार नहीं करता है।

33. शीतयुद्ध के काल में किन दो विचारधाराओं में तनाव चल रहा था और क्यों?

उत्तर— शीतयुद्ध के काल में उदारवादी लोकतन्त्र व पूँजीवादो विचारधारा और समाजवादी व साम्यवादी विचारधारा के मध्य तनाव चल रहा था। यह तनाव इस बात को लेकर था कि बार पूरे विश्व में राजनीतिक, आर्थिक तथा सामाजिक जीवन को सूत्रबद्ध करने का सबसे गया बेहतर सिद्धान्त कौन सा है। इसी कारण सम्पूर्ण विश्व विभिन्न धाराओं में बँट गया था। इसी आधार पर इनके कार्य भी सम्पन्न किये जा रहे थे।

34. सोवियत संघ के पतन के कोई दो परिणाम बताइए।

उत्तर—(i) सोवियत संघ के पतन के कारण अमेरिकी गुट व सोवियत गुट के मध्य चला आ रहा ade शीतयुद्ध समाप्त हो गया। (ii) शीतयुद्ध के समाप्त होने से परमाणु हथियारों की होड़ भी जाक्षर समाप्त हो गयी तथा एक नई शांति की संभावना का जन्म हुआ।

35. क्योटो प्रोटोकॉल पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर— सन् 1997 में जापान के क्योटो शहर में एक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसे क्योटो प्रोटोकॉल कहा जाता है। यह एक अन्तर्राष्ट्रीय समझौता है। इसके अन्तर्गत औद्योगिक देशों के लिए ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं। विकासशील देशों में ग्रीन हाउस गैसों का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम होने के कारण चीन, भारत एवं अन्य कासशील देशों को क्योटो प्रोटोकॉल को बाध्यताओं से अलग रखा गया है। ।

36. शक्ति संतुलन बनाये रखने के दो उपाय बताइये।

उत्तर--**(i) गठबन्धन बनाना-** शक्ति सन्तुलन बनाये रखने का प्रमुख तरीका गठबन्धन बनाना है। कोई देश अन्य देश या देशों से गठबन्धन करके अपनी शक्ति को बढ़ा लेता है। फलस्वरूप क्षेत्र विशेष में शक्ति सन्तुलन बना रहता है।

(ii) शसीकरण व निःशस्त्रीकरण- शकित सन्तुलन शस्तीकरण द्वारा भी बनाये रखा जा सकता है। एक राष्ट्र शक्ति सन्तुलन बनाये रखने के लिए दूसरे राष्ट्रों से सैनिक शत प्राप्त कर सकता है। वर्तमान समय में शतीकरण को दौड़ सम्पूर्ण विश्व पर महाविनाश का खतरा मंडरा रहा है। फलस्वरूप आज शस्तीकरण को छोड़कर निःशस्तीकरण पर बल दिया जाने लगा है।

37. एकल प्रभुत्व वाली दल प्रणाली की हानियाँ बताइये।

उत्तर- **एकल प्रभुत्व वाली दल प्रणाली की हानियाँ निम्नलिखित हैं–**

(i) एक दलीय व्यवस्था लोकतंत्र को सफलता और विकास हेतु उचित नहीं है।

(ii) प्रभुत्वशाली दल शासन का संचालन तानाशाहीपूर्ण तरीके से करने लगते हैं जिससे शक्ति का दुरुपयोग होता है।

(iii) इस व्यवस्था में विरोधी दल कमजोर होते हैं, अत: सरकार को आलोचना प्रभावशाली ढंग से नहीं हो पाती।

(iv) इस व्यवस्था के तानाशाही व्यवस्था में बदलने का भय होने के कारण जनता के अधिकार व स्वतंत्रताओं पर अंकुश को संभावना रहती है।

38. 'योजना' से आप क्य समझते हैं?

उत्तर– योजना से अभिप्राय किसी निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए किए गए प्रयत्नों से है। योजना के अन्तर्गत देश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए लक्ष्य रखे जाते हैं जिनको प्राप्ति के लिए देश में व देश के बाहर से सभी साधन जुटाये जाते हैं। उद्देश्यों की प्राप्ति तथा साधनों को जुटाने के लिए सम्बन्धित देश की आर्थिक-सामाजिक स्थिति को देखते हुए विकास की व्यूह रचना निर्धारित को जाती है। योजना के माध्यम में पूर्व निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

39. 1967 के चौथे आम चुनाव में कांग्रेस दल की मुख्य चुनौतियाँ बताइए।

उत्तर– मुख्य चुनौतियाँ निम्नलिखित थीं---

(i) दो प्रधानमंत्रियों का देहान्त तथा इंदिरा गाँधी का राजनीति के दृष्टिकोण से कम अनुभवी होना।

(ii) इस समय देश आर्थिक संकट में था। मानसून को असफला से खेती में गिरावट, विदेशी मुदा भंडार में कमी आई।

(iii) साम्यवादो और समाजवादी पार्टी ने व्यापक समानता के लिए संघर्ष छेड़ दिया।

40. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन अब अप्रासंगिक हो गया है।" आप इस कथन के बारे में क्या सोचते हैं? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर– गुटनिरपेक्षता की नीति शीतयुद्ध के सन्दर्भ विकसित हुई थी। शीतयुद्ध के अन्त सोवियत संघ के विघटन से एक अन्तर्राष आन्दोलन और भारत की विदेश नीति मूल भावना के रूप में गुटनिरपेक्षता की प्रासंगिकता तथा प्रभावकारिता में थोड़ी कमी आयी है, लेकिन अभी भी इसकी प्रासंगिकता बनी हुई है।

41. सोवियत संघ के विघटन के पश्चात् भारत को रूस के साथ मित्रता बनाए रखने के कौन-कौन से दो लाभ (फायदे) मिले ? .

उत्तर– भारत को रूस से मैत्री के निम्न दो लाभ मिले—

(1) शीतयुद्ध का अन्त होकर विश्व सिकुड़, कर एक ध्रुवीय हो गया जिसके फलस्वरूप भारत शीतयुद्ध की आशंका से, दो महाशक्तियों. की चक्की के मध्य पिसने के खतरे से बच गया।

(2) विघटित हुए समस्त गणतन्त्र राज्यों के साथ भारत अपने नवीन व्यापारिक का सम्बन्ध कायम रख पाया।

42. दक्षेस की प्रमुख सीमाओं को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-- 'दक्षेस की कुछ सीमाएँ भी हैं, जिन्हें निम्न बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट कर सकते हैं—

(i) दक्षिण एशिया के देशों के बीच आपसी विवाद तथा समस्याओं ने विशेष स्थान लिया हुआ है। कुछ देशों का मानना है कि 'साफ्टा' का सहारा लेकर भारत उनके बाजार में सेंध मारना चाहता है और उनके समाज और राजनीति को प्रभावित करना चाहता है।
(ii) दक्षेस में शामिल देशों की समस्याओं के कारण चीन तथा संयुक्त राज्य अमेरिका दक्षिण एशिया की राजनीति में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका में में निभा रहे हैं।

43. मंडल मुद्दा क्या था? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– सन् 1990 में राष्ट्रीय मोर्चा की नयी सरकार ने न्ट्रीय मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू किया। की इन सिफारिशों के अन्तर्गत प्रावधान किया गया कि केन्द्र सरकार की नौकरियों में 'अन्य पिछड़ा वर्ग' को आरक्षण प्रदान किया जाएगा। सरकार के इस फैसले से देश के विभिन्न भागों में मंडल-विरोधी हिंसक प्रदर्शन हुए। अन्य पिछड़ा वर्ग को प्राप्त आरक्षण के समर्थक तथा विरोधियों के बीच चले विवाद को 'मंडल मुद्दा' कहा जाता है।

44. एक दलीय प्रभुत्व प्रणाली का भारतीय राजनीति के लोकतांत्रिक चरित्र पर प्रतिकूल प्रभाव कैसे पड़ा

उत्तर– एक दलीय प्रभुत्व प्रणाली के कारण कोई अन्य विचारधारात्मक गठबंधन या पार्टी उभरकर सामने नहीं आ पायी जो मजबूत व संगठित विपक्ष की भूमिका निभा सके। इस कारण मतदाताओं के पास भी कांग्रेस को समर्थन देने के अतिरिक्त कोई और विकल्प नहीं था। इसके अतिरिक्त एक दलीय प्रभुत्व के कारण प्रशासन की कार्यकुशलता कम हो गयी एवं भ्रष्टाचार में भी वृद्धि हो गयी।

45. खाद्य संकट के क्या परिणाम हुए?

उत्तर– सन्.1960 के दशक में कृषि की दशा अत्यन्त खराब हो गयी थी। खाद्यान्न के अभाव में कुपोषण बड़े पैमाने पर फैला तथा इसने गम्भीर रूप धारण किया। सन् 1965 से 1967 के बीच देश के अनेक भागों में सूखा पड़ा। इन वर्षों के दौरान बिहार में उत्तर भारत के अन्य राज्यों की तुलना में खाद्यान्न कीमतें भी काफी बढ़ीं। खाद्य संकट के कई परिणाम हुए। सरकार को गेहूँ का आयात करना पड़ा और विदेशी सहायता भी स्वीकार करनी पड़ी।

46. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का जन्म किन परिस्थितियों में हुआ?

उत्तर– गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का जन्म संयुक्त राज्य अमेरिका एवं सोवियत संघ में चल रहे शीतयुद्ध के दौरान हुआ। गुटनिरपेक्षता का मुख्य उद्देश्य भी स्वयं को शीतयुद्ध से अलग रखना था। भारत गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का एक संस्थापक देश है। भारत के तत्कालीन प्रधानमन्त्री पं. जवाहरलाल नेहरू, मिस्र के राष्ट्रपति गमाल अब्दुल नासिर एवं युगोस्लाविया के राष्ट्रपति जोसेफ ब्रॉज टीटो गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के संस्थापक थे।

47. गोर्बाचेव द्वारा सोवियत संघ में सुधार के कारण बतलाइए।

उत्तर– गोर्बाचेव निम्नलिखित कारणों से सोवियत संघ में सुधार के लिए बाध्य हुए—

(i) सोवियत संघ में धीरे-धीरे नौकरशाही का प्रभाव बढ़ता चला गया तथा सम्पूर्ण व्यवस्था नौकरशाही के शिकंजे में फंसती चली गयी।

(ii) सोवियत प्रणाली के सत्तावादी हो जाने के कारण लोगों का जीवन कठिन होता चला गया।

(iii) सोवियत संघ में लोकतन्त्र एवं विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता नहीं पायी जाती थी; जिसमें सुधार की अति आवश्यकता थी।

(iv) सोवियत संघ की अधिकांश संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता थी।

48. आप्रवासी तथा शरणार्थी में अन्त बताइए।

उत्तर– **आप्रवासी--** जो व्यक्ति अपनी मर्जी या इच्छा से स्वदेश छोड़ते हैं, उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार आप्रवासी कहा जाता है। ऐसे लोग आकर्षक सुविधाओं के कारण अपना स्थान छोड़ते हैं। **शरणार्थी-** वे व्यक्ति जो युद्ध, प्राकृतिक आपदा या राजनीतिक उत्पीड़न अथवा किसी अन्य संघर्ष के कारण स्वदेश या अपना निवास क्षेत्र छोड़ने पर मजबूर हो जाते हैं उन्हें शरणार्थी कहा जाता है। ऐसे लोग पड़ोसी देश/राज्य में जाकर शरण लेते हैं।

49. बुनियादी रूप से किसी सरकार के पास युद्ध की स्थिति में सुरक्षा के कितने विकल्प होते हैं ? संक्षेप में बताइए।

उत्तर– बुनियादी रूप से किसी सरकार के पास युद्ध की स्थिति में सुरक्षा के तीन विकल्प होते है--

(i) आत्म-समर्पण करना एवं दूसरे पक्ष की बात को बिना युद्ध किए मान लेना।

(ii) युद्ध से होने वाले विनाश को इस हद तक बढ़ाने का संकेत देना कि दूसरा पक्ष सहमकर हमला करने से रुक जाए।

(iii) यदि युद्ध हो भी जाए तो अपनी रक्षा करना या हमलावर को पराजित कर देना।

50. स्वतंत्र पार्टी की आर्थिक नीतियों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-- **स्वतंत्र पार्टी की आर्थिक नीतियाँ---**

(i) स्वतंत्र पार्टी अगस्त 1959 में अस्तित्व में आयी थी। यह पार्टी अर्थव्यवस्था में सरकार के हस्तक्षेप को बहुत सीमित रखना चाहती थी। स्वतंत्र पार्टी अर्थव्यवस्था के अन्दर सार्वजनिक क्षेत्र की उपस्थिति की विरोधी थी।

(ii) स्वतंत्र पार्टी आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के हित को ध्यान में रखकर किए जाने .वाले कराधान के विरुद्ध थी। इस पार्टी ने निजी क्षेत्र को खुली छूट देने का समर्थन किया। यह पार्टी कृषि में जमीन की हदबंदी, सहकारी खेती तथा खाद्यान्न के व्यापार पर सरकारी नियंत्रण के खिलाफ थी।

51. 'हरित क्रांति' के किन्हीं चार लाभों का मूल्यांकन कीजिए।

उत्तर–(i) हरित क्रांति से खेतिहर पैदावार में सामान्य किस्म की वृद्धि हुई ।
(ii) देश में खाद्यान्न की उपलब्धता में बढ़ोत्तरी हुई।
(iii) हरित क्रांति के कारण कृषि में मझोले दर्जे के किसानो यानि मध्यम श्रेणी के भू-स्वामित्व वाले किसानों का उभार हुआ।
(iv) कहीं भी किसी भी फसल को विकसित करने में सक्षम होने की क्षमता पैदा हुई।

52. दल-बदल की नीति का भारतीय राजनीतिक व्यवस्था पर क्या पड़ा है?

उत्तर-- **भारतीय राजनीतिक व्यवस्था पर इसके प्रभाव---**

(1) कांग्रेस को इससे बड़ा नुकसान हो गया था क्योंकि हरियाणा, मध्य प्रदेश तथा उतर प्रदेश में गैर-कांग्रेसी सरकारें अस्तित्व में आईं।
(ii) सन् 1967 के चुनावों में "आया राम-गया राम" की दलगत मनोवृत्ति के कारण कांग्रेसी सरकार सत्ता में आई परन्तु बहुमत से नही । कई राज्यों में गैर कांग्रेसी सरकारें बनी ।
(ii) दल के प्रति निष्ठा की कमी इंदिरा की चेष्टाओं में भी देखी गयी। उन्होंने व्हिप का उल्लंघन करके एवं दल के साथ विश्वासघात करके नीलम संजीव रेड्डी के स्थान पर वि. वी. गिरि को राष्ट्रपति पद दिलवा दिया ।
(iv) दल के प्रति विश्वासघात ने सन् 1975 का आपातकाल लाने तक अमर्यादित उछाल लिया।

53. सोवियत प्रणाली के प्रमुख दोषों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर—(i) सोवियत प्रणाली पर नौकरशाही का पूर्ण नियन्त्रण था। सोवियत प्रणाली सत्तावादी होती चली गयी तथा जनसाधारण का जीवन लगातार कठिन होता चला गया।
(ii) सोवियत संघ में कम्युनिस्ट पार्टी का एक दलीय कठोर शासन था। साम्यवादी दल का देश की समस्त संस्थाओं पर कड़ा नियन्त्रण था तथा यह दल जनसाधारण के प्रति उत्तरदायी भी नहीं था।
(iii) सोवियत संघ के पन्द्रह गणराज्यों में रूस का अत्यधिक वर्चस्व था तथा शेष चौदह गणराज्यों के लोग स्वयं को उपेक्षित तथा दबा हुआ समझते थे।
(iv) सोवियत प्रणाली प्रौद्योगिकी तथा आधारभूत ढाँचे को सुदृढ़ बनाने में विफल रहने के साथ ही पाश्चात्य देशों से काफी पिछड़ गई।

54. शीतयुद्ध के सकारात्मक प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—**शीतयुद्ध के सकारात्मक प्रभाव--** शीतयुद्ध के सकारात्मक प्रभावों को निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत स्पष्ट किया जा सकता है—

(i) गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की उत्पत्ति--- दोनों महाशक्तियों संयुक्त राज्य अमेरिका एवं सोवियत संघ में शीतयुद्ध के कारण सम्पूर्ण विश्व दो प्रतिद्वंद्वी गुटों में बँट रहा था। गुटों में सम्मिलित होने से

बचने के लिए गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का जन्म एवं विकास हुआ, जिसके तहत तीसरी दुनिया के देश अपनी स्वतन्त्र विदेश नीति का पालन कर सके।

(ii) शान्तिपूर्ण सहअस्तित्व को प्रोत्साहन-- दोनों महाशक्तियों के मध्य शीतयुद्ध की भयावहता के कारण सम्पूर्ण विश्व में विभिन्न देशों के मध्य शान्तिपूर्ण सहअस्तित्व को भी प्रोत्साहन मिला।

(iii) नव अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था की धारणा का जन्म-- गुटनिरपेक्ष आन्दोलन में सम्मिलित अधिकांश देशों को अल्प विकसित देश का दर्जा प्राप्त था। इन देशों के समक्ष मुख्य चुनौती अपने देश का आर्थिक विकास करना था।

55. मानवता, शान्ति एवं अहिंसा के मित्र क्या दो मांग कर रहे हैं ?

उत्तर— मानवता, शान्ति एवं अहिंसा के मित्र निम्न दो माँगें कर रहे हैं--

(1) वह धन की माँग करते हैं जिससे शान्ति, मानव कल्याण तथा मानवाधिकारों की समर्थक संस्थाओं का सहयोग किया जा सके।

(2) वे लोग शान्ति तथा अहिंसा के पक्ष में कानून पारित किये जाने की माँग करते हैं, जिससे देश में आन्तरिक रूप से खतरा पैदा करने वाली अथवा बाहरी खतरनाक शक्तियों से मुकाबला किया जा सके।

56. गठबंधन युग के कुछ उदाहरण बताइए।

उत्तर— गठबंधन युग के कुछ उदाहरण निम्नलिखित है--

(i) सन् 1989 के चुनावों में कांग्रेस की पराजय। संयुक्त मोर्चा का जनता दल तथा कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों को मिलाकर बनाया जाना और दो राजनैतिक समूहों (वाम मोर्चा) तथा भाजपा के समर्थन से वी.पी.सिंह द्वारा सरकार का गठन।

(ii) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार दो बार सन् 1998 से लेकर सन् 2004 तक अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में रही।

(iii) संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सन् 2004 से 2014 तक रही।

57. प्रथम आम चुनाव में कांग्रेस को भारी सफलता प्राप्त होने के कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—(i) कांग्रेस दल ने प्रथम आम चुनाव में लोकसभा की कुल 489 सीटों में 364 सीटें जीती और इस प्रकार वह किसी भी प्रतिद्वंद्वी से चुनावी दौड़ में आगे निकल गई।

(ii) लोकसभा के चुनाव के साथ-साथ विधानसभा के चुनाव भी कराए गए थे। विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस पार्टी को बड़ी जीत प्राप्त हुई।

(iii) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रचलित नाम कांग्रेस पार्टी था और 'इस पार्टी को स्वाधीनता संग्राम की विरासत प्राप्त थी। उस समय एकमात्र यही पार्टी थी, जिसका संगठन सम्पूर्ण देश में थो।

(iv) कांग्रेस पार्टी में स्वयं जवाहरलाल नेहरू ने, जो भारतीय राजनीति के सबसे लोकप्रिय नेता थे, कांग्रेस पार्टी के चुनाव अभियान का नेतृत्व किया और पूरे देश का दौरा किया। जब चुनाव परिणामों की घोषणा हुई तो कांग्रेस पार्टी की बहुत बड़ी जीत से सभी को आश्चर्य हुआ।

58. आजादी के समय विकास के सवाल पर प्रमुख मतभेद क्या थे? क्या इन मतभेदों को सुलझा लिया गया ?

उत्तर—(1) विकास का अर्थ समाज के प्रत्येक वर्ग हेतु अलग-अलग होता है। कुछ अर्थशास्त्री तथा रक्षा व पर्यावरण विशेषज्ञों का मत था कि पश्चिमी देशों की तरह पूँजीवाद व उदारवाद को महत्त्व दिया जाए जबकि अन्य लोग विकास के सोवियत मॉडल का समर्थन कर रहे थे।

(2) विकास के क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि हो तथा सामाजिक न्याय भी मिले- इसे सुनिश्चित करने के लिए सरकार कौन-सी भूमिका निभाए ? इस सवाल पर मतभेद थे।

(3) कुछ लोग औद्योगीकरण को विकास का सही रास्ता मानते थे जबकि कुछ अन्य लोग यह मानते थे कि कृषि का विकास करके ग्रामीण क्षेत्र की गरीबी दूर करना ही विकास का प्रमुख मानदण्ड होना चाहिए।

59. 1972 में संयुक्त राष्ट्र संघ के व्यापार व विकास से सम्बन्धित सम्मेलन में अल्पविकसित देशों के लिए किन सुधारों की चर्चा की गयी?

उत्तर—(i) अल्प-विकसित देशों को अपने उन प्राकृतिक संसाधनों पर नियन्त्रण प्राप्त होगा जिनका दोहन पश्चिम के विकसित देश करते है ।

(ii) अल्प-विकसित देशों की पहुँच पश्चिमी देशों के बाजारों तक होगी, वे अपना सामान बेच सकेंगे और इस तरह गरीब देशों के लिए यह व्यापार फायदेमन्द होगा।

(iii) पश्चिमी देशों से मँगाई जा रही प्रौद्योगिकी की लागत कम होगी।

(iv) अल्प-विकसित देशों की अंतराष्ट्रीय आर्थिक संस्थाओं में भूमिका बढ़ेगी।

60. सोवियत संघ को एक महाशक्ति बनाने में सहायक कारक कौन-से रहे?

उत्तर—(i) सोवियत संघ का घरेलू उपभोक्ता उद्योग भी बहुत अधिक उन्नत अवस्था में था। यहाँ पिन से लेकर कार तक समस्त वस्तुओं का उत्पादन होता था। यद्यपि सोवियत संघ के उपभोक्ता उद्योग में निर्मित होने वाली वस्तुये गुणवत्ता के दृष्टिकोण से पश्चिमी देशों के स्तर के समकक्ष नहीं थीं।

(ii) सोवियत संघ की सरकार ने अपने देश के समस्त नागरिकों को बुनियादी सुविधाए प्रदान कर रखी थीं; जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ, बच्चों की देखभाल एवं यातायात सुविधाएँ आदि प्रमुख थीं।

(iii) सोवियत संघ में बेरोजगारी नहीं थी।

(iv) सोवियत संघ में भूमि, सम्पत्ति एवं अन्य उत्पादक संस्थाओं पर राज्य का स्वामित्व एवं नियन्त्रण था।

(v) सोवियत संघ के पास परमाणु हथियारों र्यन के साथ-साथ आधुनिक हथियार भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध थे।

61. आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं कि लोकतन्त्र विश्व के धनी देशों में फल-फूल सकता है ?

उत्तर—(i) दक्षिण एशियाई देशों में लोकतन्त्र की लोकप्रियता की पुष्टि इस क्षेत्र के पाँच बड़े देशों में किए गए एक सर्वेक्षण से होती है। इस सर्वेक्षण में इन पाँचों देशों की जनता ने लोकतन्त्र के लिए व्यापक जन समर्थन प्रदान किया है।

(ii) दक्षिण एशिया के पाँच बड़े देशों में किए गए एक सर्वेक्षण से स्पष्ट है कि इन देशों में लोकतन्त्र को व्यापक समर्थन मिलता है। इन देशों के लोग शासन की किसी अन्य प्रणाली की अपेक्षा लोकतन्त्र को वरीयता देते हैं। उनका मत है कि उनके देश के लिए लोकतन्त्र, ही सही है।

(iii) मैं पूरी तरह इस बात से असहमत हूँ कि लोकतन्त्र केवल विश्व के धनी देशों में ही 'फल-फूल सकता है। इस बात की पुष्टि दक्षिण एशिया के देशों में हुए सर्वेक्षण से भी की होती है। दक्षिण एशिया के देश विश्व में धनी देश नहीं माने जाते हैं। इसके बाद भी यहाँ य जनता के बीच लोकतन्त्र की लोकप्रियता - व्यापक है।

62. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते आतंकवाद के पीछे क्या कारण हैं ?

उत्तर— अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रहे आतंकवाद के हाँ पीछे निम्नलिखित कारण हैं–

(i) तकनीक तथा सूचना प्रौद्योगिकी में तेजी से हुई प्रगति ने आतंकवादियों के दुस्साहस में अभिवृद्धि की है। यह एक प्रमुख कारण है के जिसकी वजह से आतंकवाद आज सम्पूर्ण विश्व में अपने पैर जमा चुका है।

(ii) तस्करी, जमाखोरी, वायुयानों के अपहरण तथा पानी के जहाजों को बन्धक बनाने जैसी घटनाओं के पीछे विश्व अर्थव्यवस्था का वैश्वीकरण है। आतंकवादियों द्वारा किसी भी देश की मुद्रा का अन्तरण करना सरल हो गया है।

(iii) अत्याधुनिक हथियारों को नवीन प्रौद्योगिकी द्वारा निर्मित करके उन्हें बेचने की प्रतिस्पर्धा शीतयुद्ध दौर की शैली है। व्यापक स्तर पर उन्माद जाग्रत करके आतंकवाद की खूनी होली खेलने के हथियारों को बनाने वाली कम्पनियाँ सरकार तथा व्यापारी समान रूप से उत्तरदायी हैं।

(iv) यातायात के सुगम साधनों तथा स्वतः चलित यानों ने भी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद को प्रोत्साहन दिया है।

63. भारत व मैक्सिको में पार्टी प्रभुत्व के बीच क्या अन्तर है?

उत्तर-- (i) भारत और मैक्सिको में एकल पार्टी का प्रभुत्व सम्बन्धी अन्तर यह है कि भारत में

कांग्रेस का प्रभुत्व एक साथ न रहा, जबकि मैक्सिको में पी. आर. आई. का शासन निरंतर 60 वर्षों तक चला।

(ii) भारत और मैक्सिको में एक पार्टी के प्रभुत्व के मध्य एक बड़ा अन्तर यह है कि मैक्सिको में एक पार्टी का प्रभुत्व लोकतंत्र की कीमत पर कायम हुआ, जबकि भारत में ऐसा कभी नहीं हुआ। भारत में कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ प्रारंभ से ही अनेक पार्टियाँ चुनाव में राष्ट्रीय स्तर व क्षेत्रीय स्तर के रूप में भाग लेती रहीं जबकि मैक्सिको में ऐसा नहीं हुआ।

(iii) भारत में प्रजातांत्रिक संस्कृति व प्रजातांत्रिक प्रणाली के अन्तर्गत कांग्रेस का प्रभुत्व रहा जबकि मैक्सिको में शासक दल की तानाशाही के कारण इसका प्रभुत्व रहा।

64. अर्थव्यवस्था के मिश्रित मॉडल के पक्ष में तर्क दीजिए।

उत्तर-- (1) निजी क्षेत्र का मुख्य उद्देश्य लाभ कमाना होता है। अतः इसके सभी निर्णय लाभ की मात्रा पर आधारित होते हैं।

(2) अर्जित सम्पत्ति पर व्यक्ति का स्वयं का अधिकार होता है। वह इसका प्रयोग करने हेतु स्वतंत्र होता है।

(3) राज्य का हस्तक्षेप न्यूनतम रहता है। सामाजिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु वह आर्थिक क्रियाओं में हस्तक्षेप करता है।

(4) प्रत्येक आर्थिक क्षेत्र में व्यक्ति को स्वतंत्रता प्राप्त होती है।

(5) कीमत यंत्र स्वतंत्रता पूर्वक कार्य करता है। व्यवसाय के क्षेत्र, जैसे-उत्पादन, उपभोग, वितरण में कीमत यंत्र ही मार्ग निर्देशित करता है।

(6) इस क्षेत्र हेतु उत्पादन तथा मूल्य निर्धारण में प्रतिस्पर्धा पायी जाती है। माँग और पूर्ति की सापेक्षिक शक्तियाँ ही उत्पादन की मात्रा एवं मूल्य निर्धारित करती हैं।

65. सन् 1971 के चुनावों के परिणामस्वरूप बदली हुई कांग्रेस व्यवस्था की प्रकृति कैसी थी?

उत्तर—(i) सन् 1971 के चुनाव के पश्चात् इंदिरा गाँधी ने कांग्रेस को अपने सर्वोच्च नेता पर निर्भर रहने वाली पार्टी बना दिया। यहाँ से उनके आदेश सर्वोपरि बनने प्रारम्भ हुए। सिंडिकेट जैसे अनौपचारिक प्रभावशाली नेताओं का समूह राजनीतिक मंच से हट गया।

(ii) सन् 1971 के पश्चात कांग्रेस का संगठन भिन्न-भिन्न विचारधाराओं वाले समूहों के समावेशी किस्म का नहीं रहा। अब यह अनन्य एकाधिकारिता वाला बन गया था।

(iii) इंदिरा की कांग्रेस को गरीबों, महिलाओं, दलित समूहों, जनजाति समूहों के लोगों ने जिताया था। यह धनी उद्योगपतियों, सौदागरों तथा राजनीतिज्ञों के समूह अथवा सिंडिकेट के हाथों की कठपुतली अब नहीं रही। वस्तुतः यह पहले की कांग्रेस पार्टी का पूर्णरूप से बदला हुआ स्वरूप था।

66 गुटनिरपेक्ष आंदोलन की वर्तमान में क्या प्रासंगिकता है?

उत्तर-- **गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की वर्तमान में प्रासंगिकता--** गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की वर्तमान प्रासंगिकता को निम्न बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है–

(1) गुटनिरपेक्षता इस बात की पहचान पर टिकी है कि उपनिवेश की स्थिति से स्वतंत्र हुए देशों के बीच ऐतिहासिक जुड़ाव है और यदि ये देश साथ आ जाएँ तो एक सशक्त ताकत बन सकते हैं।

(2) गुटनिरपेक्षता की नीति के कारण किसी भी गरीब और छोटे देश को किसी महाशक्ति का अनुसरण करने की जरूरत नहीं है।

(3) कोई भी देश अपनी स्वतन्त्र विदेश नीति अपना सकता है।

(4) गुटनिरपेक्ष देशों को आज भी परस्पर सहयोग की आवश्यकता है, इसके लिए इस मंच की उन्हें अति आवश्यकता है।

67. भारत रूस सम्बन्धों से रूस को क्या लाभ प्राप्त हुए हैं?

उत्तर— **रूस को लाभ-** भारत-रूस के गहरे सम्बन्धों से रूस भी लाभान्वित हुआ है; जिसे निम्न बिन्दुओं द्वारा सरलतापूर्वक स्पष्ट किया जा सकता है–

(i) भारत-रूस के लिए युद्ध के हथियारों के मामले में दूसरा सबसे बड़ा बाजार है । हमारे देश भारत को सैन्य सामग्री तथा तेल का निर्यात करके रूस को पर्याप्त आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

(ii) क्रायोजेनिक राकेट जैसे अन्तरिक्ष अनुसन्धान के उपयोगी साधनों का भारत को निर्यात करके रूस को फायदा पहुँचता है इसी तरह दोनों देशों के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से अनेक महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं में कार्य करके नवीन अनुसन्धान करते रहते हैं। इससे दोनों ही देशों को अत्यधिक लाभ पहुँचता है।

(iii) भारत ने रूस की विदेश नीति का अप्रत्यक्ष लेकिन महत्त्वपूर्ण तरीके से समर्थन किया है।

68. शॉक थेरेपी के क्या परिणाम रहे हैं?

उत्तर— **शॉक थेरेपी के परिणाम--** शॉक थेरेपी के निम्नलिखित परिणाम हैं–

(1) शॉक थेरेपी से पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था तहस-नहस हो गयी और जनता को बरबादी की मार झेलनी पड़ी। रूस में पूरा राज्य नियन्त्रित औद्योगिक ढाँचा चरमरा उठा।।

(2) इससे मुद्रास्फीति बढ़ी। रूसी मुद्रा रूबल के मूल्य में नाटकीय ढंग से गिरावट आयी। मुद्रास्फीति इतनी अधिक बढ़ी कि जमा पूँजी जाती रही।

(3) निजीकरण ने नई विषमताओं को जन्म दिया। पूर्व सोवियत संघ में शामिल रहे गणराज्यों और विशेषकर रूस में अमीर और गरीब के बीच गहरी खाई तैयार हो गयी।

(4) आर्थिक परिवर्तन को बड़ी प्राथमिकता दी गयी और उसे पर्याप्त स्थान भी दिया गया, लेकिन लोकतान्त्रिक संस्थाओं के निर्यात का कार्य ऐसी प्राथमिकताओं के साथ नहीं हो सका।

69. गुटनिरपेक्ष आंदोलन के कोई चार उद्देश्य बताइए।

उत्तर— गुटनिरपेक्ष आंदोलन के उद्देश्य निम्नानुसार हैं–

(i) सदस्य देशों को महाशक्तियों के गुटोंसे अलग रखना।

(ii) सदस्य देशों में आपसी सामाजिक व आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना।

(iii) विकासशील देशों के समान व प्रतिष्ठा बढ़ाना।

(iv) सम्पूर्ण विश्व से उपनिवेशवाद व साम्राज्यवाद को समाप्त करना।

70. परम्परागत सुरक्षा के किन्हीं चार तत्वों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—**(i) परम्परागत खतरे--** इसका स्रोत कोई दूसरा अन्य देश होता है जो सैनिक हमले की धमकी देकर किसी देश की सम्प्रभुता, स्वतन्त्रता तथा क्षेत्रीय अखण्डता को प्रभावित करता है।

(ii) **युद्ध--** किसी युद्ध में सिर्फ सैनिक ही घायल अथवा मारे नहीं जाते, बल्कि जनसामान्य को भी इससे भारी नुकसान पहुँचता है।

(iii) **शक्ति सन्तुलन--** कोई भी देश अपने पड़ोसी देशों की शक्ति का सही-सही आकलन करके भविष्य की नीति तैयार करता है।

(iv) **गठबन्धन करना--**इसमें विभिन्न देश सम्मिलित होते हैं तथा सैनिक हमले को रोकने अथवा उससे रक्षा करने के लिए मिलजुल कर कदम उठाते हैं। .

71. निम्न को सुमेलित कीजिए—

(अ) राष्ट्रीय मोर्चा	(i) कांग्रेस व क्षेत्रीय दल
(ब) संयुक्त मोर्चा	(ii) भाजपा व क्षेत्रीय दल
(स) राजग	(iii) कांग्रेस व राष्ट्रीय मोर्चा
(द) संप्रग	(iv) जनता दल व क्षेत्रीय दल

उत्तर—

(अ) राष्ट्रीय मोर्चा	(iv) जनता दल व क्षेत्रीय दल
(ब) संयुक्त मोर्चा	(i) कांग्रेस व क्षेत्रीय दल
(स) राजग	(ii) भाजपा व क्षेत्रीय दल
(द) संप्रग	(iii) कांग्रेस व राष्ट्रीय मोर्चा

72. भारतीय जनसंघ व स्वतंत्र पार्टी में अन्तर बताइये।

उत्तर—

भारतीय जनसंघ	स्वतंत्र पार्टी
1. भारतीय जनसंघ भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप अर्थव्यवस्था चाहती थी। यह देश में जमींदारी उन्मूलन तो चाहती थी, परन्तु यह स्वैच्छिक सहकारी कृषि प्रणाली की विरोधी नहीं थी।	1. स्वतंत्र पार्टी सरकार की अर्थव्यवस्था में कम-से-कम हस्तक्षेप रखने में विश्वास करती थी। उसका विश्वास था कि देश की समृद्धि स्वतंत्रता के तरीके के माध्यम से आ सकती है।
2. भारतीय जनसंघ सम्पूर्ण देश में एक भाषा, एक संस्कृति के विचार की समर्थक थी और धारा 370 का विरोध करती थी।	2. स्वतंत्र पार्टी ने एक भाषा, एक संस्कृति की बात नहीं की और न ही धारा 370 का विरोध किया।
3. यह पार्टी सभी तरह के उद्योगों के राष्ट्रीयकरण की विरोधी थी परन्तु देश की प्रतिरक्षा और मौलिक उद्योगों में सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी की विरोधी भी नहीं थी।	3. स्वतंत्र पार्टी राज्य के हस्तक्षेप, केन्द्रीयकृत नियोजन, राष्ट्रीयकरण तथा अर्थव्यवस्था के अन्दर सार्वजनिक क्षेत्र की उपस्थिति को पसंद नहीं करती थी।

73. भूमि सुधारों में कौन-कौन सी क्रियाएँ शामिल हैं?

उत्तर— भूमि सुधारों में निम्नलिखित को शामिल किया गया है–

(i) जमींदारी प्रथा को समाप्त करना।

(ii) भूमि के छोटे-छोटे टुकड़ों को एक साथ (चकबंदी) करके खोती के कार्य को अधिक सुविधाजनक बनाना।

(iii) अधिकतम भूमि रखने की सीमा निर्धारित करना।

(iv) बेकार व बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने की व्यवस्था करना।

(v) सिंचाई के साधनों का विकास च करना।

(vi) उन्नत बीज व खाद की व्यवस्था करना।

(vii) कृषि हेतु ऋण व अनुदान की व्यवस्था करना।

(viii) कृषकों को उनकी उपज की उचित कीमत दिलाने का प्रयास करना ।

(ix) कृषकों की समस्याओं के समाधान हेतु कृषि सेवा केन्द्रों की व्यवस्था करना।

74. दक्षिण एशिया में भारत का दबदबा समझने के लिए कौनसे कारण जिम्मेदार हैं?

उत्तर—(i) भारत का आकार अन्य दक्षिण एशिया के देशों से अधिक विशाल है।

(ii) भारत इन छोटे देशों में अत्यधिक शक्तिशाली व प्रभावपूर्ण है।

(iii) भारत नहीं चाहता कि इन देशों में -राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो। उसे भय लगता है कि ऐसी स्थिति में बाहरी ताकतों को इस क्षेत्र में प्रभाव जमाने में मदद मिलेगी, जबकि छोटे देश सोचते हैं कि भारत दक्षिण एशिया में अपना दबदबा स्थापित करना चाहता है।

(iv) दक्षिण एशिया का भूगोल ही ऐसा है कि भारत इसके मध्य में स्थित है तथा शेष देश भारत की सीमा के आस-पास पड़ते हैं।

75. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते आतंकवाद के पीछे क्या कारण हैं ?

उत्तर— अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रहे आतंकवाद के पीछे निम्नलिखित कारण हैं–

(i) तकनीक तथा सूचना प्रौद्योगिकी में तेजी से हुई प्रगति ने आतंकवादियों के दुस्साहस में अभिवृद्धि की है। यह एक प्रमुख कारण है जिसकी वजह से आतंकवाद आज सम्पूर्ण विश्व में अपने पैर जमा चुका है।

(ii) तस्करी, जमाखोरी, वायुयानों के अपहरण तथा पानी के जहाजों को बन्धक बनाने जैसी घटनाओं के पीछे विश्व अर्थव्यवस्था का वैश्वीकरण है। आतंकवादियों द्वारा किसी भी देश की मुद्रा का अन्तरण करना सरल हो गया है।

(iii) अत्याधुनिक हथियारों को नवीन प्रौद्योगिकी द्वारा निर्मित करके उन्हें बेचने की प्रतिस्पर्धा शीतयुद्ध दौर की शैली है। व्यापक स्तर पर उन्माद जाग्रत करके आतंकवाद की खूनी होली खेलने के हथियारों को बनाने वाली कम्पनियाँ सरकार तथा व्यापारी समान रूप से उत्तरदायी हैं।

(iv) यातायात के सुगम साधनों तथा स्वतः चलित यानों ने भी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद को प्रोत्साहन दिया है।

76. एक प्रभुत्व वाली दल प्रणाली के लाभों का वर्णन कीजिए।

उत्तर— **एक प्रभुत्व वाली दल प्रणाली के लाभ---**

इस प्रणाली के लाभ निम्नांकित हैं--

(i) सत्ताधारी दल की स्थिति सुदृढ़ होती है तथा वह स्वतंत्र रूप से शासन का संचालन कर सकता है।

(ii) शासन प्रणाली में स्थायित्व रहता है तथा राष्ट्रीय नीतियों में अधिक परिवर्तन नही होता। उनमें निरन्तरता बनी रहती है।

(iii) कानून व्यवस्था की स्थिति समाज में सुदृढ़ रहती है तथा शासन का संचालन सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए सरलतापूर्वक किया जा सकता है।

(iv) यह प्रण ली आपातकाल का मुकाबला आसानी से कर सकती है।

77. भारतीय नियोजन की प्रमुख कठिनाइयाँ बताइए।

उत्तर— (i) भारत जैसी पिछड़ी अर्थव्यवस्था में क्रषि व उद्योग के बीच किसमें अधिक संसाधन लगाए जाने चाहिए ताकि सही दिशा में विकास हो सके।

(ii) नियोजन से शहरी व औद्योगिक वर्ग समृद्ध हो रहे है तथा इसकी कीमत किसानो व ग्रामीण जन्ता को चुकानी पड़ रही थी

(iii) जनसंख्या में तीव्र वृद्धि के कारण प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि की गति मंद रही है ।

78. भारत में अधिकांश राजनीतिक दलों के मध्य एक उभरती सहमति के कोई चार बिन्दु-लिखिए।

उत्तर— (i) नई आर्थिक नीति पर अधिकांश दलों ने सहमति प्रदान की है उनका मत है कि नई आर्थिक नीतियों से देश समृद्ध होगा।

(ii) पिछड़ी जातियों के राजनीतिक एवं सामाजिक दावे को राजनीति दलों ने स्वीकृति प्रदान की है।

(iii) अधिकांश राजनीतिक दलों ने शासन में प्रान्तीय दलों को भूमिका को स्वीकृति प्रदान की है।

(iv) गठबंधन की राजनीति के इस दौर में राजनीतिक दल विचारधारागत अंतर के स्थान पर सत्ता में हिस्सेदारी की बातों पर बल दे रहे हैं।

79. भारत के गुटनिरपेक्ष आंदोलन को किस प्रकार सक्रिय रखा ? उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर-- (i) भारत ने गुटनिरपेक्ष आन्दोलन में सम्मिलित देशों को भी इस प्रकार के मध्यस्थता के कार्यों में संलग्न रखा।

(ii) भारत ने शीतयुद्ध के दौरान उन क्षेत्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों को भी सक्रिय बनाए रखने का प्रयास किया जो अमेरिका व सोवियत संघ के गुट से नहीं जुड़े थे। हमारे तत्कालीन प्रधानमन्त्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने स्वतन्त्र एवं परस्पर सहयोगी राष्ट्रों के एक सच्चे 'राष्ट्रकुल' के ऊपर गहरा विश्वास जताया ताकि वह शीतयुद्ध को समाप्त करने के प्रयास में एक सकारात्मक भूमिका का निर्वाह कर सके।

80. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन को तीसरी दुनिया के देशों ने तीसरे विकल्प के रूप में समझा। जब शीतयुद्ध अपने शिखर पर था तब इस विकल्प ने तीसरी दुनिया के देशों के विकास में कैसे मदद पहुँचाई?

उत्तर-- शीतयुद्ध की वजह से विश्व दो प्रतिद्वन्द्वी गुटों में बँटा हुआ था। इसी सन्दर्भ में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन ने एशिया, अफ्रीका और लातिनी अमेरिका के उन नव-स्वतन्त्र देशों को एक तीसरा विकल्प दिया। यह विकल्प था-दोनों महाशक्तियों के गुटों से अलग रहने का अर्थात् गुटनिरपेक्षता का। महाशक्तियों के गुटों से अलग रहने की इस नीति का अभिप्राय यह नहीं था कि इस आन्दोलन से जुड़े देश अपने को अन्तर्राष्ट्रीय मामलों से अलग-थलग रखते थे अथवा तटस्थता का पालन करते थे। गुटनिरपेक्षता का अर्थ-पृथकतावाद नहीं बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में सक्रिय रहने का आन्दोलन है। तीसरी दुनिया के देशों के विकास में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन ने विशेष भूमिका निभायी है।

81. सोवियत प्रणाली की चार सकारात्मक विशेषताएँ बताइए।

उत्तर– **सोवियत व्यवस्था की सकारात्मक विशेषताएँ--** समाजवादी सोवियत गणराज्य रूस में हुई सन् 1917 की समाजवादी क्रान्ति के पश्चात् अस्तित्व में आया, सोवियत प्रणाली की प्रमुख चार विशेषताएँ निम्नलिखित थीं--

(i) सोवियत राजनीतिक प्रणाली की धुरी कम्युनिस्ट पार्टी थी। इस दल का सभी संस्थाओं पर गहरा नियन्त्रण था।
(ii) सोवियत आर्थिक प्रणाली योजनाबद्ध एवं राज्य के नियन्त्रण में थी।
(iii) सोवियत संघ में सम्पत्ति पर गज्य का स्वामित्व एवं नियंत्रण था।
(iv) सोवियत संघ को संचार प्रणाली बहुत उन्नत थी। इसके दूर-दराज के क्षेत्र भी आवागमन की सुव्यवस्थित एवं विशाल प्रणाली के कारण आपस में जुड़े हुए थे।

82. शॉक थेरेपी ने अर्थव्यवस्था को किस प्रकार तहस-नहस कर दिया?

उत्तर– **अर्थव्यवस्था का तहस-नहस होना--** सन् 1990 में अपनायो गयी शॉक थेरेपी जनता को उपभोग के उस आनन्द लोक तक नहीं ले गई, जिसका उसने वादा किया था। शॉक थेरेपी से पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था तहस-नहस हो गयी और जनता को बरबादी को मार झेलनी पड़ी। रूस में पूरा राज्य नियन्त्रित औद्योगिक ढाँचा चरमरा उठा। लगभग 90 प्रतिशत उद्योगों को निजी हाथों अथवा कम्पनियों को बेच दिया गया। आर्थिक ढौंचे का यह पुनर्निर्माण चूँकि सरकार द्वारा नियन्त्रित औद्योगीकरण नीति को अपेक्षा बाजार की शक्तियाँ कर रही थी। इसलिए यह कदम सभी उद्योगों को नष्ट करने वाला सिद्ध हुआ।

83. सन् 1975 में बांग्लादेश में सेना ने शेख मुजीबुर्रहमान के खिलाफ बगावत क्यों की ? संक्षेप में बताइए।

उत्तर– स्वतन्त्रता के पश्चात् बांग्लादेश ने अपना संविधान बनाकर उस्में अपने देश को एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतान्त्रिक एवं समाजवादी देश घोषित किया, लेकिन सन् 1975 में शेख मुजीबुर्रहमान ने संविधान में संशोधन कराया तथा शासन की संसदीय प्रणाली के स्थान पर अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली को मान्यता प्रदान की गयी। शेख मुजीबुर्रहमान ने अपनी पार्टी अवामी लीग को छोड़कर अन्य सभी पार्टियों को समाप्त कर दिया। इससे तनाव और संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो गयी। अगस्त, 1975 में सेना ने शेख मुजीबुर्रहमान ने शासन के खिलाफ विद्रोह कर दया और इस नाटकीय व त्रासद घटनाक्रम में शेख मुजीबुर्रहमान सेना के हाथों मारे गये।

84. आतंकवादी असैनिक स्थानों को अपना लक्ष्य क्यों चुनते हैं ?

उत्तर– आतंकवादी निम्न कारणों की वजह से असैनिक स्थानों को अपना लक्ष्य बनाते हैं–
(i) आतंकवाद अपर-परागत श्रेणी के अन्तर्गत आता है। आतंकवाद का तात्पर्य राजनीतिक कत्लेआम है, जो जानबूझकर बिना किसी पर दयाभाव रखे नागरिकों को अपना शिकार बनाता है। एक से अधिक देशों में व्याप्त अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद के निशाने पर कई देशो के निर्दोष नागरिक हैं।
(ii) आतंकवादियों का मुख्य उद्देश्य ही आतंक फैलाना है, अतः वे असैनिक स्थानों अ जनसाधारण को अपनी दहशतगर्दी का निशाना बनाते हैं। इससे जहाँ एक तरफ वे आतंक कायम करके लोगों तथा

विश्व का ध्यान अपनी तरफ खींचने में सफल होते हैं तो वही दूसरी ओर उन्हें प्रतिरोध का सामना भी नही करना पड़ता। नागरिक सरलतापूर्वक उनके शिकार बन जाते हैं।

85. सुरक्षा के तीन पारम्परिक तरीकों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–**(i) निःशस्त्रीकरण--** देशों के मध्य सहयोग में सुरक्षा का सबसे महत्त्वपूर्ण तरीका है- निःशस्त्रीकरण। निःशस्त्रीकरण की मांग होती है कि समस्त राज्य चाहे उनका आकार, शक्ति एवं प्रभाव कुछ भी हो, कुछ विशेष किस्म के हथियारों का त्याग करें। ,

(i) अस्त्र-नियन्त्रण-- अस्त्र नियन्त्रण के अन्तर्गत परमाणु हथियारों को विकसित करने अथवा उनको प्राप्त करने के सम्बन्ध में कुछ नियम-कानूनों का पालन करना पड़ता है ।

(iii) विश्वास बहाली के उपाय-- विश्वास बहाली के उपायों से देशों के मध्य हिंसाचार कम किया जा सकता है। विश्वास बहाली की प्रक्रिया में सैन्य टकराव एवं प्रतिद्वार मित वाले देश सूचनाओं एवं विचारों के नियमित आदान-प्रदान का फैसला करते हैं।

86. भारत में चुनाव सफलतापूर्वक नहीं कराए जा सकेंगे ? आलोचक ऐसा क्यों मानते थे?

उत्तर– भारत में चुनाव सफलतापूर्वक सम्पन्न नही कराए जाने के पीछे निम्न दो कारण प्रमुख थे--

(i) भारत जनसंख्या व क्षेत्रफल की दृष्टि से एक बहुत बड़ा देश है। इतने बड़े क्षेत्र व इतनी जनसंख्या के लिए समुचित चुनाव व्यवस्था करना एक कठिन कार्य था।,

(ii) भारत के अधिकांश मतदाता अशिक्षित थे, जिनसे स्वतंत्र व समझदारी से मताधिकार का प्रयोग किस प्रकार से हो सकेगा, यह एक बड़ी चुनौती थी।

87. भारत ने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार प्रणाली को क्यों चुना है? "

उत्तर-- भारत में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार प्राप्त प्रणाली को इसलिए चुना है क्योंकि इसके देशों द्वारा 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी नागरिक बिना किसी लिंग, जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा, स्थिति के, भेदभाव के अपना र्थात् प्रतिनिधि लोकसभा व राज्य विधानसभाओं गाना के लिए चुन सकते हैं जो केन्द्र व राज्य तंक सरकारों का गठन करते हैं।

88. मिश्रित अर्थव्यवस्था की विशेषता बताइए।

उत्तर– **(i) सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र--** मिश्रित अर्थव्यवस्था की सबसे प्रमख विशेषता यह है नहीं कि इसमें सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र दोनों विद्यमान रहते हैं। इन दोनों ही क्षेत्रों के बीच कार्यों का स्पष्ट विभाजन रहता है।

(ii) लोकतांत्रिक व्यवस्था-- मिश्रित अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रियाओं का निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र में विभाजन, लक्ष्यों का निर्धारण, नीतियों का निर्धारण सभी बातों का निर्णय जन-प्रतिनिधियों के द्वारा लिया जाता है।

(ii) लाभ-उद्देश्य-- मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र की प्रमुख भूमिका रहती है। निजी क्षेत्र द्वारा अपनी आर्थिक क्रियाओं का संचालन लाभ के उद्देश्य से किया जाता है।

(iv) मूल्य-तंत्र पर नियंत्रण-- मिश्रित अर्थव्यवस्था में 'मूल्य तंत्र' के संचालन को सरकार जन-कल्याण की दृष्टि से स्वयं की कीमत नीति द्वारा नियंत्रित करती है।

89. सन् 1960 के दशक के अन्त में भारत के आर्थिक विकास में क्या बदलाव आए? वर्णन कीजिए।

उत्तर-- (i) नेहरूजी की मृत्यु के बाद कांग्रेस-प्रणाली संकट से घिरने लगी।

(ii) इंदिरा गाँधी जन-नेता बनकर उभरीं। उन्होंने फैसला किया कि अर्थव्यवस्था के नियंत्रण और निर्देशन में राज्य और बड़ी भूमिका निभाएगा।

(ii) सन् 1967 के पश्चात् की अवधि में निजी क्षेत्र के उद्योगों पर और बाधाएँ आईं। 14 निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया।

(iv) सरकार ने गरीबों की भलाई के लिए अनेक कार्यक्रमों की घोषणा की। इन परिवर्तनों के साथ ही साथ सरकार का विचारधारात्मक रुझान समाजवादी नीतियों की ओर बढ़ा।

90. त्रिशंकु विधानसभा व गठबन्धन सरकारों के प्रारम्भिक दौर को समझाइए।

उत्तर– फरवरी 1967 में चौथे आम चुनाव हुए थे। कांग्रेस पहली बार नेहरूजी के बिना मतदाताओं का सामना कर रही थी। कांग्रेस को जैसे-तैसे लोकसभा में बहुमत तो मिल गया था, लेकिन उसको प्राप्त मतों के प्रतिशत तथा सीटों की संख्या में भारी गिरावट आई। सन् 1967 ई. के चुनावों से गठबंधन की परिघटना सामने आई। त्रिशंकु विधानसभा और गठबंधन सरकार की घटना उन दिनों नई थी, क्योंकि पहली बार किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था, अतः अनेक गैर-कांग्रेसी पार्टियों ने एकजुट होकर संयक्त विधायक दल बनाया और गैर काँग्रेसी सरकारों को समर्थन दिया। इसी कारण इन सरकारों में संयुक्त विधायक दल की सरकार कहा गया।

91. सन् 1996 से भाजपा की चुनावी उपलब्धियों को समझाइए।

उत्तर–(i) सन् 1996 में पहली बार भाजपा केन्द्र में सत्तारूढ़ हुई परन्तु अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री की सरकार केवल एक महीने ही अर्थात् मई 1996 से जून 1996 तक केन्द्र में टिक पाई।

(ii) पुन: अटल बिहारी वाजपेयी जी प्रधानमंत्री बने और इस बार उन्होंने केवल 20 महीने अर्थात् 19 मार्च 1998 से 13 अक्टूबर, 1999 तक सत्ता सँभाली।

(iii) एक बार फिर से अटल जी प्रधानमंत्री पद पर नियुक्त हुए। 13 अक्टूबर, 1999 को उन्होंने दुबारा सत्ता को सँभाला तथा अप्रैल 2004 तक पाँच वर्ष का कार्यकाल पूरा किया।

(iv) सन् 2004 तथा 2009 के चुनावों में पार्टी को अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं हुई।

(v) सन् 2014 व 2019 के चुनावों में यह पार्टी राजग गठबंधन के साथ सत्ता में जीती। वर्तमान में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इसकी सरकार संचालित है।

92. 'क्यूबा मिसाइल संकट' क्या था?

उत्तर– अप्रैल, 1961 में सोवियत संघ के नेताओं को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा क्यूबा पर हमला किए जाने का डर था। 1962 में निकिता खुश्चेव ने क्यूबा में परमाणु मिसाइलें तैनात कर दी। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति कैनेडी ने आदेश दिया कि अमेरिकी लड़ाकू बेडो को आगे करके क्यूबा की ओर जाने वाले सोवियत जहाजों को रोका जाए। इस कार्यवाही द्वारा अमेरिका सोवियत संघ को मामले प्रति अपनी गम्भीरता की चेतावनी देना चाहता था। इस परिस्थिति से ऐसा आभास होने लगा था कि युद्ध होकर ही रहेगा। इस घटना-कर्म को ही 'क्यूबा मिसाइल संकट' के रूप जाना जाता है।

93. महाशक्तियों के मध्य गहन प्रतिद्वन्द्विता के बावजूद शीतयुद्ध रक्तरंजित युद्ध का रूप क्यों नहीं ले सका? . कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-- शीतयुद्ध प्रारम्भ होने के पीछे यह समझ भी कार्य कर रही थी कि परमाणु युद्ध की स्थिति में दोनों ही पक्षों-संयुक्त राज्य अमेरिक व सोवियत संघ को इतना नुकसान उठाना पड़ेगा कि उनमें विजेता कौन है, यह तय करना भी असम्भव होगा। यदि कोई अपने शत्रु पर आक्रमण करके परमाणु हथियारों को नाकाम करने की कोशिश करता है तब भी दूसरे के पास उसे बर्बाद करने लायक हथियार बच जायेंगे इसलिए कोई भी पक्ष युद्ध का खतरा नहीं उठाना चाहता था।

94. शॉक थेरेपी ने समाज कल्याण की समाजवादी व्यवस्था को किस प्रकार नष्ट किया था?

उत्तर– **समाज कल्याण की समाजवादी व्यवस्था को नष्ट किया जाना--** सोवियत संघ से अलग हुए गणराज्यों में समाज कल्याण की समाजवादी व्यवस्था को क्रम से नष्ट किया गया। समाजवादी व्यवस्था के स्थान पर नई पूँजीवादी व्यवस्था को अपनाया गया। इस व्यवस्था के बदलने से लोगों को प्रदान जाने वाली राजकीय रियायतें समाप्त हो गयी जिससे अधिकांश लोग निर्धन होने लगे। इस कारण मध्यम एवं शिक्षित वर्ग का पलायन हुआ और वहाँ कई देशों में एक नया वर्ग उभर कर सामने आया जिसे माफिया वर्ग के नाम से जाना गया। इस वर्ग ने वहाँ की अधिकांश आर्थिक गतिविधियों को अपने हाथों में ले लिया।

95. पूर्व सोवियत संघ के इतिहास की सबसे बड़ी गराज सेल' किसे कहा जाता है ?

उत्तर-- सोवियत संघ के पतन के पश्चात् अस्तित्व में आए नए गणराज्यों ने शॉक थेरेपी (आघात पहुँचाकर उपचार करना) की विधि द्वारा अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारने का प्रयास किया परन्तु शॉक थेरेपी के फलस्वरूप सम्पूर्ण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था तहस-नहस हो गयी । रूस में पूरा राज्य नियन्त्रित औद्योगिक ढाँचा चरमरा गया। लगभग 70 प्रतिशत उद्योगों को निजी हाथों या कम्पनियों को बेचा गया। इसे ही 'इतिहास की सबसे बड़ी गराज-सेल' कहा जाता है।

96. निम्नलिखित पदों को उनके अर्थ से मिलाएँ

(1) विश्वास बहाली के उपाय (कॉन्फिडेंस (क) कुछ खास हथियारों के इस्तेमाल से परहेज।

बिल्डिंग मेजर्स-CBMs)

(2) अस्त्र नियन्त्रण। (ख) राष्ट्रों के बीच सुरक्षा मामलों पर सूचनाओं के आदान-प्रदान

की नियमित प्रक्रिया।

(3) गठबन्धन (ग) सैन्य हमले की स्थिति से निबटने अथवा उसके अपरोध के

लिए कुछ राष्ट्रों का आपस में मेल करना।

(4) निरस्त्रीकरण। (घ) हथियारों के निर्माण अथवा उनको हासिल करने पर अंकुश।

उत्तर---

(1) विश्वास बहाली के उपाय (कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मेजर्स-(CBMs)- (ख) राष्ट्रों के बीच सुरक्षा मामलों पर सूचनाओं के आदान प्रदान की नियमित प्रक्रिया।

(2) अस्त्र नियन्त्रण- (घ) हथियारों के निर्माण अथवा उनको हासिल करने पर अंकुश।

(3) गठबन्धन- (ग) सैन्य हमले की स्थिति से निबटने अथवा उसके अपरोध के लिए कुछ पर राष्ट्रों का आपस में मेल करना।

(4) निरस्त्रीकरण- (क) कुछ खास हथियारों के इस्तेमाल से परहेज।

97. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए--

घटना	**वर्ष**
(i) भारत-चीन युद्ध	(क) 1966
(ii) ताशकंद समझौता	(ख) 1962
(iii) शिमला समझौता	(ग) 1954
(iv) पंचशील की घोषणा	(घ) 1972

उत्तर– (i) भारत-चीन युद्ध-1962

(ii) ताशकंद समझौता-1966

(iii) शिमला समझौता-1972

(iv) पंचशील की घोषणा-1954

98. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते आतंकवाद के पीछे क्या कारण हैं ?

उत्तर-- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रहे आतंकवाद के दो कारण निम्न है--

(i) तकनीक तथा सूचना प्रौद्योगिकी में तेजी से हुई प्रगति ने आतंकवादियों के दुस्साहस में अभिवृद्धि की है। यह एक प्रमुख कारण है जिसकी वजह से आतंकवाद आज सम्पूर्ण विश्व में अपने पैर जमा चुका है।

(ii) तस्करी, जमाखोरी, वायुयानों के अपहरण तथा पानी के जहाजों को बन्धक बनाने जैसी घटनाओं के पीछे विश्व अर्थव्यवस्था का वैश्वीकरण है। आतंकवादियों द्वारा किसी भी देश की मुद्रा का अन्तरण करना सरल हो गया है।

99. प्रथम या द्वितीय आम चुनावों व वर्तमान के चुनावों में क्या अन्तर देखने को मिलता है?

उत्तर-- (i) तत्कालीन मतदाता राजनीतिक विचारधाराओं पात के सम्बन्ध में पूर्ण शिक्षित नहीं था। जबकि वर्तमान में अनेक साधनों की उपलब्धता के कारण लोगों को राजनीतिक शिक्षा अधिक प्रदान की जा रही है।

(ii) उस दौर में राजनीतिक पार्टियाँ देशहित के लिए कार्य करती थीं परन्तु वर्तमान में राजनीतिक पार्टियों का प्रमुख उद्देश्य सत्ता प्राप्ति व निजी हितों को प्रोत्साहन देना होता है।

(iii) प्रथम आम चुनाव में प्रत्येक मतदान केन्द्र पर चुनाव क्षेत्र में जितने उम्मीदवार खड़े होते थे उतनी ही मतपेटियों को रखा जाता था। परन्तु आधुनिक दौर में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का प्रयोग किया जाने लगा है।

(iv) उस दौर में देश में 17 करोड़ मतदाताओं में से 85% मतदाता अशिक्षित थे। जबकि वर्तमान भारत में साक्षरता की दर बहुत बढ़ी हुई है।

100. एकल पार्टी प्रभुत्व का कांग्रेस पर क्या प्रभाव पड़ा था?

उत्तर–(i) कांग्रेस राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान किए गए वायदों को पूर्ण करने में सफल रही। जनमानस में कांग्रेस एक विश्वसनीय दल था, जनमानस की आशाएँ उसी से जुड़ी थीं। अतः मतदाताओं ने उसे ही चुना।

(ii) तत्कालीन मतदाताओं को कांग्रेस में ही आस्था थी। अतः जनता का मानना था कि कांग्रेस से ही जनकल्याण की आशा की जा सकती है।

(iii) प्रभुत्व की स्थिति प्राप्त होने के कारण विपक्षी दलों द्वारा सरकार की आलोचना होने पर भी सरकार अपना कार्य करती रही। इसने भारतीय लोकतंत्र, संसदीय शासन प्रणाली व भारतीय राजनीति की लोकतांत्रिक प्रकृति को सुदृढ़ करने में योगदान दिया।

101. आर्थिक नियोजन की प्रमुख विशेषता बताइए।

उत्तर–(i) नियोजित अर्थव्यवस्था आर्थिक संगठन की एक पद्धति है।

(ii) आर्थिक नियोजन सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था में लागू होता. है।

(iii) आर्थिक नियोजन को सम्पूर्ण क्रियाविधि एक केन्द्रीय सत्ता द्वारा सम्पन्न की जाती है।

(iv) नियोजन के अन्तर्गत साधनों का वितरण प्राथमिकताओं के अनुसार विवेकपूर्ण नीति से किया जाता है।

(v) योजना के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु एक निश्चित अवधि निर्धारित की जाती है।

(vi) नियोजन के अन्तर्गत पूर्ण, पूर्व निश्चित तथा निर्धारित उद्देश्य होते हैं

102. अमूल क्या है? अमूल के लाभों का वर्णन कीजिए।

उत्तर-- गुजरात राज्य के एक शहर 'आणंद' में सरकारी दुग्ध उत्पादन का आन्दोलन प्रारम्भ हुआ। यह 'अमूल' नाम से प्रसिद्ध है। 'अमूल' के उत्पादों के पीछे सहकारी डेयरी फार्मिंग को अहम् भूमिका है। इससे गुजरात के 25 लाख दूध-उत्पादक जुड़े हुए हैं। सहकारी डेयरी प्रारम्भ करने का श्रेय वर्गीज कूरियन को जाता है। इन्हें 'मिल्क मैन ऑफ इण्डिया' भी कहते हैं। कूरियन ने दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ की स्थापना की थी। ग्रामीण-विकास और गरीबी उन्मूलन की दृष्टि से 'अमूल' नाम का यह सहकारी आन्दोलन अपने आप में एक अनूठा और सफल मॉडल है।

103. भारत में सन् 1967 के आम चुनावों के परिणामों को राजनीतिक भूचाल' की संज्ञा क्यों दी गयी ?

उत्तर– सन् 1967 के चुनावी परिणामों ने कांग्रेस को राष्ट्रीय तथा प्रांतीय स्तर पर जोरदार झटका दिया था। उसके मत प्रतिशत और सीटों में भारी गिरावट दर्ज की गयो। अब से पहले कांग्रेस को कभी न तो इतने कम वोट मिले थे और न ही इतनी कम सीटें मिली थीं। इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल के आधे मंत्री चुनाव हार गए थे। तत्कालीन अनेक राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने चुनाव परिणामों को 'राजनीतिक भूचाल' या 'राजनीतिक भूकंप' की संज्ञा दी।

104. गठबंधन सरकारें एक दलीय सरकारों की तुलना में किस प्रकार अधिक लोकतांत्रिक सिद्ध होती हैं?

उत्तर-- 1989 के लोकसभा चुनावों से भारत में गठबंधन को राजनीतिक के एक लम्बे दौर को शुरुआत हुई। इससे पहले कांग्रेस को प्रभुत्व वाली राजनीति में एक दलीय सरकार का राजनीतिक दौर चल रहा था। इस एक दलीय शासन काल में तानाशाहो प्रवृत्ति का डर बना रहता था। सत्ता में एक दल से अधिक की भागीदारी होने पर लोकतंत्र कमजोर होने के स्थान पर मजबूत बना। कड़े मुकाबले और बहुत से संघर्षों के बावजूद अधिकांश दलों के बीच एक सहमति की स्थिति ने लोकतंत्र को लगातार मजबूत किया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि कोई भी दल कभी इतना शक्तिशाली नहीं हो सकता है कि वह लोकतंत्र का अपहरण कर ले।

105. परमाणु अप्रसार संधि से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– यह संधि 5 मार्च 1970 से प्रभावी हुयी। यह संधि सिर्फ परमाणु शक्ति सम्पन्न देशों को एटमी हथियार रखने की अनुमति देती है तथा शेष विश्व को ऐसे हथियार रखने से रोकती धन, है। इस संधि के अनुसार संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत संघ (वर्तमान रूप) ब्रिटेन, फ्रांस व चीन को परमाणु शक्ति सम्पन्न माना गया है।

106. बर्लिन की दीवार क्या थी?

उत्तर– बर्लिन की दीवार पूँजीवादी व साम्यवादी विश्व के मध्य विभाजन का प्रतीक थी। इसे विक सन् 1961 में निर्मित किया गया। यह 150 किमी. से भी अधिक लम्बी थी, जो पश्चिमी तथा पूर्वी बर्लिन को अलग-अलग करती थी। सन् 1989 में बर्लिन की दीवार ढह हते गयी। यहीं से सम्पूर्ण विश्व में सोवियत संघ का प्रभाव भी समाप्त हो गया तथा दो दल ध्रुवीयता का अन्त भी हो गया।

107. सामरिक अस्त्र परिसीमन वार्ता-II से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– नवम्बर 1972 में प्रारम्भ वार्ता के इस दूसरे चरण के अन्तर्गत सोवियत नेता ब्रेझनेव ने ऑन अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के साथ वियना में 18 जून 1979 को सामरिक रूप से घातक हथियारों के परिसीमन से सम्बन्धित संधि पर हस्ताक्षर किये। इसे ही सामरिक अस्त्र धुरी परिसीमन वार्ता-II कहा जाता है।

108. आर्थिक उदारीकरण ने भारत को किस प्रकार लाभ पहुँचाया है?

उत्तर– इसने पोर्टफोलिया निवेश तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के रूप में विदेशी पूँजी प्रवाह को तीय बढ़ावा दिया है।

(ii) भारतीय अर्थव्यवस्था की अर्थव्यवस्था धार के उदारीकरण से विकसित देशों के साथ प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए लाभ प्राप्त नक हुआ है।

109. कोलम्बो योजना से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– सन् 1962 की सैनिक भिड़न्त के कुछ समय बाद ही सीमा विवाद के समाधान हेतु छः एफ्रो-एशियाई देशों ने जो योजना प्रस्तुत की थी, उसे ही कोलम्बो योजना के नाम से जाना जाता है।

110. मानवाधिकार की प्रमुख कोटियाँ कौनसी हैं?

उत्तर-- मानवाधिकार की तीन प्रमुख कोटियाँ हैं--

(i) राजनीतिक अधिकारों की प्राप्ति-- इसमें सभी लोगों को समान रूप से अभिव्यक्ति व सभा करने की आजादी प्रदान करने को शामिल किया गया है।

(ii) आर्थिक व सामाजिक अधिकारों की प्राप्ति-- इसमें रोजगार, सेवा के अवसरों की समानता व सामाजिक समानता रूपी दशाओं को शामिल किया गया है।

(iii) तीसरी कोटि में उपनिवेशीकृत जनता अथवा जातीय व मूलवासी अल्पसंख्यकों के अधिकार शामिल किये जाते हैं।

111. नाटो संगठन के प्रमुख उद्देश्यों को लिखिए।

उत्तर-- पश्चिमी यूरोप में सोवितय गुट के साम्यवादी प्रभाव को रोकना।

(1) धारा 5 के अनुसार नाटो के एक सदस्य पर आक्रमण सभी सदस्यों पर आक्रमण समझा जायेगा। अतः सभी सदस्य सामूहिक सैन्य 'प्रयास करेंगे।

(2) सदस्यों में आत्म सहायता तथा पारस्परिक सहायता का विकास करना, जिससे वे सशस्त्र आक्रमण के विरोध की क्षमता का विकास कर सकें।

(3) नाटो के अन्य उद्देश्य--सदस्यों में आर्थिक सहयोग को बढ़ाना तथा उनके विवादों का शान्तिपूर्ण समाधान करना।

112. भारतीय जनसंघ की विचारधारा को समझाइए।

उत्तर-- भारतीय जनसंघ की स्थापना सन् 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा की गई।

(i) जनसंघ ने भारत और पाकिस्तान को एक करके 'अखंड भारत' के निर्माण की बात कही।

(ii) जनसंघ ने 'एक देश, एक संस्कृति और एक राष्ट्र' के विचार पर बल दिया। इसका मानना था कि देश भारतीय संस्कृति व परंपरा के आधार पर आधुनिक, प्रगतिशील व शक्तिशाली बन सकता है।

113. भारत में दलीय व्यवस्था की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर-- भारत में दलीय व्यवस्था की दो प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

(i) भारत में बहुदलीय व्यवस्था है तथा राजनैतिक दल विभिन्न हित समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

(i) भारत में राष्ट्रीय दलों के साथ-साथ क्षेत्रीय दल भी पाये जाते हैं।

114. जोनिंग या इलाकाबंदी से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– **जोनिंग या इलाकाबंदी--** बिहार में खाद्यान्न . संकट सबसे अधिक विकराल था। बिहार में . उत्तर भारत के अन्य राज्यों की तुलना में खाद्यान्न की कीमतें काफी बढ़ी। अपेक्षाकृत समृद्ध पंजाब की तुलना में गेहूँ और चावल बिहार में दोगुने दामों में बिक रहे थे। सरकार ने उस वक्त जोनिंग या इलाकाबंदी की नीति अपना रखी थी। इसकी वजह से विभिन्न राज्यों के बीच खाद्यान्न का व्यापार नहीं हो पा रहा था।

115. भारत में कृषि बनाम उद्योग विवाद के प्रमुख तर्कों को लिखिए।

उत्तर:-- (1) स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत जैसे पिछड़ी अर्थव्यवस्था के देश में यह विवाद उत्पन्न हुआ कि उद्योग व कृषि में से किस क्षेत्र में अधिक संसाधन लगाये जायें।

(2) अनेक लोगों का मानना था कि दूसरी पंचवर्षीय योजना में कृषि के विकास की रणनीति का अभाव था तथा इस योजना के दौरान उद्योगों पर अधिक बल देने के कारण कृषि व ग्रामीण क्षेत्रों को चोट पहुंची।

(3) जे. सी. कुमारप्पा जैसे गाँधीवादी अर्थशास्त्रियों ने एक वैकल्पिक योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की थी, जिसमें ग्रामीण औद्योगीकरण पर अधिक जोर दिया गया था।

(4) चौधरी चरण सिंह ने कहा कि नियोजन से नगरीय व औद्योगिक वर्ग समृद्ध हो रहे हैं तथा इसकी कीमत किसानों तथा ग्रामीण जनता को चुकानी पड़ रही है।
(5) कई अन्य लोगों का विचार था कि औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर को तीव्र किए बिना गरीबी से छुटकारा नहीं मिल सकता।

116. 1971 में कांग्रेस की पुनर्स्थापना के कारण बताइए।

उत्तर–1971 के लोकसभा चुनाव के बाद निम्नलिखित कारणों से कांग्रेस को पुनर्स्थापना हुई--

(i) इंदिरा गांधी का चमत्कारिक नेतृत्व--- 1971 के चुनावों में कांग्रेस के पीछे इंदिरा गांधी का चमत्कारी नेतृत्व था। उन्होंने मतदाताओं से व्यक्तिगत सम्पर्क किया तथा कांग्रेस को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया।

(ii) गरीबी हटाओ का नारा–गरीबी हटाओ के नारे से इंदिरा गाँधी ने आधार तैयार किया ।

(iii) इंदिरा गाँधी की राजनीतिक हैसियत का अप्रत्याशित रूप से बढ़ना–1971 के चुनाव में विजय के उपरान्त भारतीय राजनीती में इंदिरा गाँधी की अप्रत्याशित रूप से राजनीतिक हैसियत बढ़ गयी।

(iv) समाजवादी नीतियाँ-- इन्दिरा गाँधी ने समाजवादी नीतियों को अपनाया। उन्होंने प्रत्येक चुनाव रैली में समाजवाद के विषय में बढ़-चढ़कर बातें की।

(v) कांग्रेस के पास एजेंडा एवं कार्यक्रम--- 1971 के चुनावों में कांग्रेस ही एकमात्र एसी पार्टी थी जिसके पास देश के विकास हेतु एक निश्चित एजेंडा व कार्यक्रम था

117. कांशीराम का जीवन परिचय एवं दलित राजनीति में उनका योगदान बताइए।

उत्तर– कांशीराम का जन्म सन् 1934 में हुआ वे देश के दलित नेता तथा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक थे। उन्होंने अपने समाज तथा पार्टी की सेवा करने हेतु सरकारी सेवा को त्याग दिया, जिससे वे सामाजिक एवं राजनैतिक कार्यों में अपना पूरा समय लगा सकें।
इन्होंने सन् 1984 में बहुजन समाज पार्टी की स्थापना की। कांशीराम एक कुशल रणनीतिकार थे। उन्होंने उत्तर भारत के राज्यों के दलित राजनीति के संगठनकर्ता के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त की।

118. शीतयुद्ध के काल में किन दो विचारधाराओं में तनाव चल रहा था और क्यों?

उत्तर– शीतयुद्ध के काल में उदारवादी लोकतन्त्र व पूँजीवादी विचारधारा और समाजवादी व साम्यवादी विचारधारा के मध्य तनाव चल रहा था। यह तनाव इस बात को लेकर था कि पूरे विश्व में राजनीतिक, आर्थिक तथा सामाजिक जीवन को सूत्रबद्ध करने का सबसे बेहतर सिद्धान्त कौन सा है।

119. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के कोई चार उद्देश्य बताइए।

उत्तर– गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के चार प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

(i) सदस्य देशों को महाशक्तियों के गुटों से अलग रखना।

(ii) सदस्य देशों में आपसी सामाजिक एवं आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना।

(iii) विकासशील देशों के सम्मान एवं प्रतिष्ठा को बढ़ावा देना।

(iv) सम्पूर्ण विश्व से उपनिवेशवाद व साम्राज्यवाद को समाप्त करना। भारत को रूस से मैत्री के निम्न

120. सोवियत संघ के विघटन के पश्चात् भारत को रूस के साथ मित्रता बनाए रखने के कौन-कौन से दो लाभ (फायदे) मिले ?

उत्तर– दो लाभ मिले--

(1) शीतयुद्ध का अन्त होकर विश्व सिकुड़ कर एक ध्रुवीय हो गया जिसके फलस्वरूप भारत शीतयुद्ध की आशंका से, दो महाशक्तियों की चक्की के मध्य पिसने के खतरे से बच गया।

(2) विघटित हुए समस्त गणतन्त्र राज्यों के साथ भारत अपने नवीन व्यापारिक सम्बन्ध कायम रख पाया।

121. भारत रूस सम्बन्धों में रूस को क्या लाभ थे?

उत्तर– **रूस को लाभ–**

(i) भारत-रूस के लिए युद्ध के हथियारों के मामले में दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। हमारे देश भारत को सैन्य सामग्री तथा तेल का निर्यात करके रूस को पर्याप्त आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

(ii) क्रायोजेनिक राकेट जैसे अन्तरिक्ष अनुसन्धान के उपयोगी साधनों का भारत को निर्यात करके रूस को फायदा पहुँचता है। इसी तरह दोनों देशों के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से अनेक महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं में कार्य करके नवीन अनुसन्धान करते रहते हैं। इससे दोनों ही देशों को अत्यधिक लाभ पहुँचता है।

(iii) भारत ने रूस की विदेश नीति का अप्रत्यक्ष लेकिन महत्त्वपूर्ण तरीके से समर्थन किया है।

122. अपारम्परिक सुरक्षा स्रोतों से क्या तात्पर्य है?

उत्तर–1. अपारम्परिक सुरक्षा को धारणा का सम्बन्ध न केवल बाहरी खतरों से हैं बल्कि अन्य खतरनाक खतरों को भी सम्मिलित किया जाता है।

2. अपारम्परिक सुरक्षा की धारणा में सैन्य खतरों को ही नहीं बल्कि मानवीय अस्तित्व पर चोट करने वाले व्यापक खतरों व अशंकाओं को भी खतरनाक समझा जाता है।

3. अपारम्परिक सुरक्षा की धारणा में खतरे का स्रोत विदेशी राष्ट्र के साथ-साथ कोई अन्य भी हो सकता है।

123. भारत और पाकिस्तान के मध्य तनावपूर्ण सम्बन्धों के प्रमुख मुद्दे कौन-कौन से हैं ? नाम लिखिए।

उत्तर--- भारत और पाकिस्तान के मध्य तनावपूर्ण सम्बन्धो के प्रमुख मुद्दे निम्नलिखित है---

(1) करमार का मुद्य,, (ii) सियाचिन ग्लेशियर पर नियन्त्रन का मुद्य, (ii) हथियारों की होड़ का नुद्य, (iv) सिन्यु नदी जल बंटवारे पर विवाद, (v) एक-दूसरे पर सन्देह तथा आरोप-प्रत्यारोप, (vi) सक्रिक की समस्या

124. बुनियादी रूप से किसी सरकार के पास युद्ध की स्थिति में सुरक्षा के कितने विकल्प होते हैं ? संक्षेप में बताइए।

उत्तर– बुनियादी रूप से किसी सरकार के पास युद्ध की स्थिति में सुरक्षा के तीन विकल्प होते है-- (i) आत्म-समर्पण करना एवं दूसरे पक्ष की बात को बिना युद्ध किर मान लेना, (ii) युद्ध से होने वाले विनाश को इस हद तक बढ़ाने का संकेत देना कि दूसरा पक्ष सहमकर हमला करने से रुक जाए। (iii) यदि युद्ध हो भी जाए तो अपनी रक्षा करना या हमलावर को पराजित कर देना।

125. 'केरल में धारा 356 का कांग्रेस द्वारा दुरुपयोग' विषय पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– केरल में सत्ता से बेदखल होने पर कांग्रेस पार्टी ने निर्वाचित सरकार के खिलाफ 'मुक्ति संघर्ष' छेड़ दिया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में इस वायदे के साथ आई थी कि कुछ क्रान्तिकारी तथा प्रगतिशील नीतिगत पहल करेगी किन्तु सन् 1959 में केन्द्र की कांग्रेस सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 356 अन्तर्गत केरल की कम्युनिस्ट सरकार को बर्खास्त कर दिया। यह फैसला बड़ा विवादास्पद साबित हुआ। संविधान-प्रदत आपातकालीन शक्तियों के दुरुपयोग के पहले उदाहरण के रूप में इस फैसले का बार-बार उल्लेख किया जाता है।

126. सोशलिस्ट पार्टी बनाने के लिए उत्तरदायी परिस्थितियों व आलोचना के आधारों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-- (1) सोशलिस्ट पार्टी बनाने के लिए मजबूर करने वाली परिस्थितियाँ–

कांग्रेस द्वारा 1948 में अपने संविधान में परिवर्तन किया गया ताकि कांग्रेस के सदस्य दोहरी सदस्यता न ले सकें। अतः कांग्रेस के समाजवादियों को 1948 में अलग होकर सोशलिस्ट पार्टी बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

(2) सोशलिस्ट पार्टी द्वारा कांग्रेस की आलोचना करने के दो आधार---

(i) सोशलिस्ट पार्टी का मत था कि कांग्रेस पूंजीपतियों तथा जमादारों की हिमायत कर रही है तथा मजदूरों-किसानों की उपेक्षा कर रही है! (ii) सोशलिस्ट पार्टी लोकतांत्रिक समाजवाद की विचारधारा में यकीन करती थी तथा कांग्रेस व साम्यवादी दलों से अपने को पृथक समझती थी।

127. आर्थिक नियोजन के महत्व के दो बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– **आर्थिक नियोजन का महत्त्व- (**i) स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय नेताओं ने अनुभव किया कि देश का सामाजिक-आर्थिक विकास एक योजनाबद्ध तरीके से किया जाए। (ii) भारतीय नेताओं ने भारत के चहुँमुखी विकास के लिए योजनायें बनाने तथा उनको व्यवहार में लाकर निश्चित समय में अनिवार्य

सफलता प्राप्त करने का विचार किया तथा इस हेतु योजना आयोग की स्थापना की। (iii) सामाजिक आर्थिक विकास के लिए नियोजन का अत्यन्त महत्त्व है, क्योंकि विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके नियोजन में ही अपनाए जाते हैं।

128. हरित क्रांति की असफलता के कारण लिखिए।

उत्तर– भारत में हरित क्रान्ति की असफलता के कारण निम्नलिखित हैं–

(i) कृषि क्रान्ति का प्रभाव केवल कुछ ही फसलों, जैसे-गेहूँ, ज्वार, बाजरा तक ही सीमित रहा है। गन्ना, कपास, तिलहन जैसे कृषि पदार्थों पर इसका प्रभाव नहीं पड़ा है।

(ii) कृषि क्रान्ति का प्रभाव कुछ ही विकसित क्षेत्रों, जैसे-पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश के कुछ भागों तक ही सीमित रहा है।

(iii) भारत में कृषि क्रान्ति से केवल बड़े किसान ही लाभ प्राप्त कर सके हैं। इससे गाँव के क्षेत्रों में असमानताएँ बढ़ी हैं तथा इस प्रकार से धनी किसान अधिक धनी तथा निर्धन और अधिक निर्धन होते गए हैं।

(iv) विस्तृत भू-खण्डों पर उत्तम खाद तथा बीज व नवीन तकनीकों के उपयोग से कृषि योग्य भूमि के कुछ लोगों के हाथों में केन्द्रित होने की प्रवृत्ति बढ़ गयी है।

(v) कृषि विकास की गति अत्यधिक धीमी रही है।

129. सन् 1967 के आम चुनावों के पश्चात् इंदिरा गाँधी ने किन दो चुनौतियों का सामना किया?

उत्तर– सन् 1967 के आम चुनाव के पश्चात् इंदिरा गाँधी को निम्न दो चुनौतियों का सामना करना पड़ा- (1) काँग्रेस के भीतर ताकतवर व शक्तिशाली नेताओं के समूह सिंडिकेट के प्रभाव से अपने आपको मुक्त रखना।

(ii) सन् 1967 के आम चुनावों में खोई अपनी पार्टी की साख को पुनः प्राप्त करना।

130. गठबंधन की राजनीति के उदय का हमारे लोकतंत्र पर क्या असर पड़ा है?

उत्तर–. सन् 1989 के चुनावों से भारत में गठबंधन की राजनीति के एक लम्बे दौर की शुरुआत हुई। इसके बाद से केन्द्र में 11 सरकारें बनीं। पिछले कुछ दशकों से भारतीय समाज में गुपचुप बदलाव आ रहे थे और इन बदलावों ने जिन प्रवृत्तियों को जन्म दिया वे भारतीय राजनीति को गठबंधन की सरकारों के युग की तरफ ले आई। लोग जाति, लिंग, वर्ग और क्षेत्र के संदर्भ में न्याय तथा लोकतंत्र के मुद्दे उठा रहे हैं।